राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 303 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 11 सितंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

गणेश विसर्जन हिंसा के बाद तनाव : कर्नाटक के मांड्या में 'बंद' का असर

मांड्या। कर्नाटक के मांड्या जिले के मद्दुर तालुका में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच हुए पथराव और हिंसक झड़पों के बाद तनाव बना हुआ है। इस घटना में छह लोग घायल हो गए थे। इसके विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जिला इकाई ने सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक बंद का आह्वान किया है। भाजपा जिला अध्यक्ष इंद्रेश ने कार्यकर्ताओं को मद्दुर में 'बंद' सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने जनता, व्यापारियों और संगठनों से 'बंद' में सहयोग करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने 'बंद' को सरकार के लिए चेतावनी करार बताया। भाजपा के सहयोगी दल जनता दल (सेक्युलर) ने भी बंद का समर्थन किया है। पूर्व विधायक डीसी थम्मन्ना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी से निष्पक्ष तरीके से 'बंद' में भाग लेने का अनुरोध किया। सुबह-सुबह बंद के चलते मद्दुर शहर पूरी तरह ठप नजर आया। मुख्य सड़कें सुनसान हैं, और जरूरी वस्तुओं की दुकानों को छोड़कर सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद हैं। मस्जिदों और प्रमुख चौराहों पर पुलिस हाई अलर्ट पर है, और भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

130 साल पुरानी दीवार ताश के पत्तों की तरह ढही

नागपुर। नागपुर में देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब शहर के एम्प्रेस मिल इलाके में स्थित 130 साल पुरानी एक विशाल दीवार ताश के पत्तों की तरह ढह गई। रात 11 बजकर 19 मिनट पर हुए इस हादसे का खौफनाक मंजर पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है, जिसे देखकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि सड़क पर सामान्य आवाजाही है और दोपहिया वाहन चालक गुजर रहे हैं। तभी अचानक पूरी की पूरी दीवार भरभराकर सड़क पर आ गिरती है। गनीमत यह रही कि दीवार गिरने और वहां से गुजर रहे बाइक सवारों के बीच महज कुछ सेकंड का फासला था, जिससे वे बाल-बाल बच गए। यह दीवार एम्प्रेस मिल से सटी मारवाड़ी चाल पर गिरी, जिसकी चपेट में आकर सड़क किनारे खड़ी चार कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

नेपाल की राह पर फ्रांस

सुलग उठी हिंसक आग...लोग मांग रहे मैक्रों का इस्तीफा...

फ्रांस/ एजेंसी

नेपाल में चल रहा जेन जेड आंदोलन अभी थमा भी नहीं था कि एक और मुल्क को हिंसक प्रदर्शनों ने अपनी चपेट में ले लिया। पहले से ही राजनीतिक संकट से जूझ रहे फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नीतियों के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए हैं। इस प्रोटेस्ट को ब्लॉक एवरिथिंग नाम दिया गया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा प्रधानमंत्री पद के लिए अपने नए उम्मीदवार की घोषणा के एक दिन बाद ही पूरे फ्रांस में दंगे और अशांति फैल गई है। मैक्रों पर अपने पद से इस्तीफा देने का दबाव बढ़ने के साथ ही पेरिस में आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है। गृह मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के शुरुआती घंटों में लगभग 250 लोगों की गिरफ्तारी की घोषणा की। विरोध प्रदर्शन हालांकि ऑनलाइन शुरू हुआ था, लेकिन बाद में यह तीव्र होता गया और 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती को चुनौती देते हुए प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को तोड़ दिया जिसके बाद पुलिस ने तेजी से गिरफ्तारियां कीं। गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने कहा कि पश्चिमी शहर रेन्नेस में एक बस में आग लगा दी गई और दक्षिण-पश्चिम में एक बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने से रेलगाड़ियां बाधित हुईं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रात रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू को देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। लगभग एक साल में देश को चौथी बार नया प्रधानमंत्री मिला है। ये विरोध प्रदर्शन अब तक मैक्रों के पहले और दूसरे कार्यकाल में छिटपुट

रूप से हुए पिछले प्रदर्शनों की तुलना में कम तीव्र दिखाई दे रहे हैं। वर्ष 2022 में अपने पुनर्निर्वाचन के बाद, मैक्रों को पेंशन सुधारों को लेकर लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा था। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू संसद में विश्वास मत हासिल करने में नाकाम रहे थे, जिसके बाद उनकी सरकार गिर गई थी। प्रदर्शनकारियों के समूहों ने सुबह पेरिस के बेल्टवे को अवरुद्ध करने की कोशिश की और पुलिस ने उन्हें तितर-बितर कर दिया। राजधानी के अन्य हिस्सों में, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों पर चीजें फेंकी। पेरिस पुलिस ने सुबह तक 159 गिरफ्तारियां दर्ज कीं। गृह मंत्रालय के अनुसार, फ्रांस में अन्य जगहों पर लगभग 100 अन्य लोगों को पुलिस हिरासत में लिया गया। इससे पहले, मैक्रों ने रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू को फ्रांस का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया और उन्हें देश के विवादास्पद राजनीतिक दलों को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के लिए बजट पर तुरंत सहमत कराने का काम सौंपा। 39 वर्षीय लेकोर्नू, फ्रांसीसी इतिहास में सबसे कम उम्र के रक्षा मंत्री थे और 2030 तक एक बड़े सैन्य निर्माण के सूत्रधार थे, जिसे यूक्रेन में रूस के युद्ध से प्रेरित किया गया था। लंबे समय से मैक्रों के वफादार रहे लेकोर्नू अब मुश्किल से एक साल में फ्रांस के चौथे प्रधानमंत्री हैं।

80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद लोग बेकाबू हो गए....

प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी थी कि वे अपने आंदोलन के दौरान सब कुछ ठप कर देंगे। हालांकि, आंदोलन शुरू में ठंडा पड़ा रहा और लोगों ने इसमें ऑनलाइन ही मौजूदगी दर्ज कराई। सोशल मीडिया पर हैशटैग ट्रेंड में रहा। फिर जैसे-जैसे दिन बढ़ा और गर्मी ने जोर पकड़ा, यह विरोध प्रदर्शन तेज होता गया। 80,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद लोग बेकाबू हो गए। उन्होंने बैरिकेड्स तोड़ दिए। इसके बाद तत्काल गिरफ्तारियां की गईं। लोगों में देश में चौथी बार प्रधानमंत्री बदले जाने को लेकर नाराजगी है। प्रदर्शन के जरिए लोग नए प्रधानमंत्री को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के दौरान दिन के शुरुआती घंटों में गृह मंत्री ने लगभग 200 गिरफ्तारियों की जानकारी दी।

अब सुशीला कार्की संभालेंगी नेपाल की कमान!

ओली के इस्तीफे के बाद नेपाल की कार्यवाहक प्रधानमंत्री होगी

नेपाल/ एजेंसी

नेपाल में भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफ़े के बाद राजनीतिक अनिश्चितता का माहौल है। शल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद हिंसक प्रदर्शन में 19 लोग मारे गए, जिनमें ज़्यादातर छात्र थे, और यह आंदोलन जल्द ही जड़ जमाए बैठे राजनीतिक अभिजात वर्ग के ख़िलाफ़ एक व्यापक आंदोलन में बदल गया। 2008 में राजशाही समाप्त होने के बाद से नेपाल के नवजात लोकतंत्र के सामने यह सबसे बड़ा संकट है। इस अशांति ने राजनीतिक अभिजात वर्ग और देश

के बेचैन युवाओं के बीच गहरी दरार को उजागर कर दिया है। केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह, जिन्हें लोग बालेन शाह कहते हैं, नए प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर चर्चा में आए। 33 वर्षीय मेयर बालेन शाह ने सोशल मीडिया पर युवाओं का समर्थन किया था। हालांकि कहा जा रहा है कि बालेंद्र शाह ने नेपाल की सत्ता संभालने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता को कौन कंट्रोल करेगा इसको लेकर जेन जेड प्रदर्शनकारियों की तरफ से एक ऑनलाइन बैठक बुलाई गई थी। इस वर्चुअल बैठक में पांच हजार से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया। अभी तक नेपाल के जेन जेड आंदोलन का लीडर माने जा रहे बालेंद्र शाह ने हालांकि युवाओं की अपील का कोई जवाब नहीं दिया। बताया जा रहा है कि उन्होंने कॉल भी नहीं उठाया। जिसके बाद चर्चा फिर दूसरे नामों की ओर चली गई।

बंगाली में ज्यादा बोलो डरने की जरूरत नहीं : ममता

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को जनता से आग्रह कि वे बंगाली में ज्यादा बोलें और डरें नहीं। उनका यह बयान राज्य के प्रवासी मजदूरों पर हो रहे कथित हमलों की पृष्ठभूमि में आया है। बनर्जी ने कहा, बंगाली में ज्यादा बोलो, डरो मत। हम स्पष्ट कहना चाहते हैं कि हम अपनी मातृभाषा यानी बंगाली ही बोलेंगे। लेकिन हम दूसरी भाषाओं का भी सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो प्रवासी मजदूर वापस बंगाल लौटेंगे, उन्हें सरकार की ओर से पांच हजार रुपये दिए जाएंगे और उनके बच्चों को नजदीकी स्कूल में दाखिला मिल सकेगा। जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, मैं रोज अपमान झेलती हूं, क्योंकि मैं बंगाल का विकास चाहती हूं। नेपाल की स्थिति पर ममता बनर्जी ने कहा, नेपाल में फंसे पर्यटकों की स्थिति को मैं गंभीरता से ले रही हूं। मैं उन्हें यह कहना चाहती हूं कि जब तक हालात सामान्य न हो जाएं, वे थोड़ा इंतजार करें। हम इस पूरे मामले पर नजर रखे हुए हैं और जल्द ही आप सभी को वापस लाया जाएगा। मंगलवार को नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह इस्तीफा युवाओं के उस आंदोलन के दबाव में दिया, जिसने पूरे नेपाल को राजनीतिक और सामाजिक रूप से हिला कर रख दिया है। प्रदर्शनकारियों ने कई बड़े नेताओं के घरों में आग लगा दी, राजनीतिक दलों के दफ्तरों पर हमला किया, संसद में तोड़फोड़ की और पूरी सरकार को हिला दिया। ओली सरकार ने कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाए थे, जिसके बाद युवाओं ने यह आंदोलन शुरू किया।

राष्ट्रपति मुर्मू दिलाएंगी शपथ

12 को उपराष्ट्रपति का पद ग्रहण कर सकते हैं सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के निर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 12 सितंबर को पद की शपथ ले सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को राधाकृष्णन को शपथ दिलाएंगी। राष्ट्रपति भवन में 12 सितंबर को एक औपचारिक समारोह में शपथ ग्रहण संपन्न होगा। 67 वर्षीय राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत हासिल की थी। यह चुनाव तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक

दिए गए इस्तीफे के बाद कराया गया था। संसद भवन में मंगलवार को हुए मतदान में राधाकृष्णन को 752 वैध मतों में से प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले थे, जबकि रेड्डी को प्रथम वरीयता के महज 300 वोट ही मिले थे। 14 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की। उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद मतदाता होते हैं। देश में 17 बार उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हुआ जिसमें सर्वपल्ली राधाकृष्णन और हामिद अंसारी दो कार्यकाल तक इस पद पर रहे। निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने बताया, 781 मतदाताओं में से 98.2 फीसदी यानी 767 ने मतदान किया। इनमें 15 वोट अवैध पाए गए जिससे वैध मतों की संख्या 752 रह गई। वहीं एक डाक मत को रद्द घोषित कर दिया गया क्योंकि संबंधित सांसद ने वोट डालने से इन्कार किया है।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

पुलिस नक्सलियों की मुठभेड़ में एक नक्सली ढ़ेर पुरुष माओवादी का शव और हथियार बरामद.....

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक बार फिर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। परतापुर थाना क्षेत्र के आलनार के जंगलों में डीआरजी और बीएसएफ की संयुक्त टीम का नक्सलियों के साथ मुठभेड़ चल रहा है। सर्चिंग में एक पुरुष नक्सली का शव और एक थ्री नॉट थ्री हथियार बरामद हो गया है। पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि आलनार के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी मिलते ही संयुक्त पार्टी रवाना हुई थी। मुठभेड़ में मारे गए नक्सली का शव बरामद हो गया है. मारे गए नक्सली की पहचान कंपनी नम्बर 5 मासा के रूप में हुई को 8

लाख का इनामी था.. कांकेर का यह ईलाका बड़ी कोटरी नदी के साथ ही कई नदी नालों से घिरा हुआ ईलाका है। जुलाई और अगस्त माह में नदी नाले उफान पर रहने की वजह से पुलिस का ऑपरेशन धीमा हो गया था। नदी में जल स्तर कम होते ही पुलिस ने ऑपरेशन की गति तेज कर दी है और आज 10 सितम्बर को मुठभेड़ में पुलिस की संयुक्त पार्टी ने एक नक्सली को मार गिराने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल ने बताया कि खुफिया सूचना मिली थी कि लकड़ाही जंगल में नक्सली किसी बड़ी वारदात की तैयारी कर रहे हैं। इसके आधार पर एसएसबी, बिहार एसटीएफ और टंडवा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान टीम को जंगल के भीतर जमीन में छिपाकर रखे गए हथियार व सामग्री मिले। पुलिस ने मौके से 9 एमएम का एक देसी कार्बाइन, 315 बोर के 11 जिंदा कारतूस, 9 एमएम पिस्तौल का एक खाली कारतूस, राइफल के तीन स्प्रिंग, एक बट, चार एम्यूनिशन पाउच, चार बट पाउच, हथियार साफ करने के उपकरण और अन्य आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद कीं।

संक्षिप्त समाचार

विश्व हिंदू रक्षा संगठन ने जताया विश्वास, जिलाध्यक्ष बने दीपक सोनी

राजनांदगांव। शहर के युवा समाजसेवी दीपक सोनी को विश्व हिंदू रक्षा संगठन का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन के संरक्षक सुमित्रानंदन स्वामी के आदेश और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सहमति से यह नियुक्ति की गई। साथ ही, श्री सोनी को प्रदेश कार्यकारिणी में भी स्थान प्रदान किया गया है। संगठन ने बताया कि दीपक सोनी को यह दायित्व उनकी सामाजिक सक्रियता, सादगीपूर्ण छवि और समर्पण भाव को देखते हुए सौंपा गया है। संगठन को विश्वास है कि वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे। नवीन जिम्मेदारी मिलने पर श्री सोनी ने कहा, मैं संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करता रहूंगा। उनकी नियुक्ति की जानकारी मिलते ही शहरवासियों, परिजनों और समर्थकों में हर्ष का माहौल देखने को मिला। सभी ने उन्हें बधाइयां दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सामाजिक कार्यों और जनसेवा के कारण दीपक सोनी की पहचान शहर में एक प्रतिबद्ध कार्यकर्ता के रूप में रही है। उनकी नई भूमिका से संगठन को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना अंतर्गत दिव्य कुमार साहु चयनित, डीपीएस में पढ़ने का मिलेगा मौका

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना अंतर्गत अब श्रमिकों के मेधावी बच्चे प्रदेश के नामी निजी स्कूलों में नि:शुल्क पढ़ाई कर सकेंगे। योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के तहत पंजीकृत श्रमिक सुमित्रा साहु के पुत्र दिव्य कुमार साहु का चयन कक्षा 6वीं में निजी आवासीय विद्यालय दिल्ली पब्लिक स्कुल, कोटरापाली, जुर्डा, रायगढ़ मे हुआ है। यहां कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास रायपुर में श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के बच्चों के लिए संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना का शुभारम्भ मंगलवार को किया। योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्रदेश के 100 बच्चे चयनित हुए हैं। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि मण्डल अंतर्गत 1 वर्ष पूर्व पंजीकृत श्रमिक के प्रथम दो संतान जो कक्षा छठवी में अध्ययनरत हो उनका चयन मेरिट सूची के आधार पर किया जाता है। योजना का उद्देश्य श्रमिक के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना है जिसमें चयनित बच्चों को कक्षा छठवीं से बारहवीं तक प्रदेश के श्रेष्ठ आवासीय निजी विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त होगी।

आयुक्त ने जर्जर स्कूलो का निरीक्षण कर आवश्यक संधारण कराने के दिए निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक 03 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत पार्किंग व्यवस्था, शासकीय स्कूल एवं उद्यान में वृक्षारोपण का आयुक्त ने किया निरीक्षण।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा तीन दर्शन मंदिर के आस-पास रिक्त स्थलों का निरीक्षण कर पार्किंग की व्यवस्था बनाने हेतु उपस्थित जोन आयुक्त येशा लहरे को निर्देशित किए हैं। चर्चा अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे वृक्षारोपण करने एवं पार्किंग स्थल का निर्माण पश्चात किराया निर्धारण करने निर्देशित किए हैं, जिससे निगम की आय में वृद्वि की जा सके। आयुक्त ने वार्ड पार्षद एवं प्रधान पाठक के निवेदन पर 18 नंबर रोड वार्ड क्रं. 30 सुभाष चौंक शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण कर जर्जर हो रहे भवन को तोड़कर समतलीकरण कराने के संबंध में चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही हेतु कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल को निर्देशित किए है। वार्ड क्रं. 30 केम्प-2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं वार्ड क्रं. 31 मदर टेरेसा नगर का अवलोकन किया गया। स्कूल के कक्ष का सिलिंग उखड़ कर गिर रहा है, जिसका संधारण एवं अन्य आवश्यक कार्य कराने हेतु कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किए है।

छुरिया विकासखंड में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार, स्वास्थ्य विभाग मेहरबान?

छुरिया (समय दर्शन)। झोलाछाप डाक्टरों की पकड़ में इस समय छुरिया विकासखण्ड पूरी तरह से आ गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छुरिया में होने के वावजूद ग्रामीण इलाकों में आज भी झोलाछाप डाक्टरों की पकड़ है। वेखौफहोकर कर निजी चिकित्सा कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग से मिली एक आधी अधूरी जानकारी के अनुसार छुरिया विकासखण्ड में अभी 152 झोलाछाप डॉक्टर अपना कारोबार चला रहे हैं, जिनमें 2 महिला डॉक्टर भी शामिल हैं, यदि प्रत्येक गांव के हिसाब से देखा जाय तो गैंदाटोला में 6 डॉक्टर, चिरचारीकला और जोशीलमती में 5 डॉक्टर, गोड़लवाही में 4 डॉक्टर, आतरगांव, बादराटोला, टिपानगढ़, पिनकापार, करमरी, गहिराभेड़ी, बैरागीभेड़ी, भर्रीटोला एवं सड़क चिरचारी में 3 डॉक्टर, कुमरदा, आमगांव, बागद्वार, घेरूघाट, नांदिया, बूचाटोला, आलीवारा, कुहीखुर्द, चारभांठा, बम्हनी, उमरवाही, साल्हे, रतनभाट, कांपा, बेलरगोंदी, पठानढोड़गी, दैहान, मुंजालकला, फाफमार, केसाल, कु. छुरिया, घुपसाल, साल्हेटोला, भर्रीटोला अ, घोरतलाब, बीजेपार, मरकाकसा जोब और बजरंगपुर में 2-2 डॉक्टर, घुपसाल, मोतीपुर चारभांठा, भंडारी भरदा, चांदो, मुचेदण्ड, खुर्सीटिकुल, चिरचारी खुर्द, तुमड़ीलेवा, केरेगांव, खुर्सीपार, बिटाल, चांदो, हाटबंजारी, मातेखेड़ा, मासूल, मगरधोखसरा, जरहामहका, कल्लूटोला, नागरकोहरा, पाटेकोहरा, बरछाटोला, बिसाहूटोला, लालूटोला, नवागांव, भोलापुर, माटराखुज्जी, जोंधरा, गिदर्री, महरूम, पतोरा, कलडबरी, छिंदीबिहरी, साल्हे, पथर्री, हैदलकोड़ो, तेलगांन, कोलिहाटोला, सीताकसा, खोराटोला, गर्रापार, मासूल, बैरागीभेड़ी, पैरीटोला, रानीपुर खड़खड़ी, पेंड्रीडीह, खोभा और झाड़ीखैरी में 1-1 डॉक्टर हैं। कुल मिलाकर विभिन्न गांवों में 2 महिला झोलाछाप डाक्टर सहित 152 झोलाछाप डाक्टर हैं। सबसे बड़ी और चिंता की बात यह है कि इस क्षेत्र में इतनी ज्यादा मात्रा में झोलाछाप आखिर अपना कारोबार कैसे चला रहे है, उन्हें किसी भी प्रकार का कोई भय नहीं हैं। बाकायदा अपने घरों में निजी अस्पताल भी खोल लिये हैं और वहां मरीजों को भर्ती करके उनका ईलाज भी करते हैं। इन सब की जानकारी छुरिया अस्पताल के बीएमओ और अन्य सभी स्टाफको है उसके बाद भी झोलाछाप डॉक्टर अपना ईलाज का कारोबार बिना कोई रोक टोक बेखौफ होकर चला रहे हैं। जैसा कि आधी अधूरी जानकारी के आधार पर यह जानकारी मिली है बेहद गहराई से इसकी जांच की जाये तो हो सकता है, इससे भी ज्यादा झोलाछाप डाक्टर इस क्षेत्र में अपना इस प्रकार का ईलाज का कारोबार चला रहे हैं। यह भी हो सकता है कि और अन्य झोलाछाप डाक्टरों का नाम न बताया गया हो और वे चुपचाप अपना डाक्टरी का कारोबार चुपचाप चला रहे हों। इन झोलाछाप डॉक्टरों के चिकित्सा संबंधी ज्ञान और उनकी डिग्री की जांच पड़ताल अच्छी तरह से करने के बाद असलियत सामने आयेगी कि आखिर इतने झोलाछाप डॉक्टर किस प्रकार से गांव के भोले-भाले लोगों के जीवन के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ कैसे कर सकते हैं। क्या इन झोलाछाप डॉक्टरों अंदर से किसी भी प्रकार का संरक्षण तो नहीं मिला हुआ है जिसके चलते इन झोला छाप डॉक्टरों का खुला खेल गांव की भोली-भाली जनता के साथ बेखौफ चल रहा है, इसे रोकने वाला कोई नहीं है।

आम नागरिकों को समझना चाहिये और अपना ईलाज इन झोलाछाप डॉक्टरों से न करवाकर किसी अच्छे चिकित्सक से करवाने के साथ ही इन झोला छाप डॉक्टरों की शिकायक सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र छुरिया अथवा उच्चाधिकारियों से करें और अपने और अपने साथ रहने वाले अन्य लोगों के जीवन के साथ हो रहे खिलवाड़ से बचें।

विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में रखा शिक्षक दिवस सम्मान समारोह

बेमेतरा (समय दर्शन)। शासकीय पं.जवाहर लाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा में एम.एस.सी. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। आयोजन का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण से हुआ व डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व और शिक्षण-दर्शन का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ। राधाकृष्णन के महान कार्यो को याद करते हुए आयोजन प्रारंभ हुआ। आयोजन में मुख्य रूप से बेमेतरा स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्या व रसायन विभागीय प्रमुख डॉ वीणा त्रिपाठी , रसायन विभाग सहायक प्राध्यापक युगल किशोर जांगड़े व पूजा गवेल उपस्थिति हुए। सभी उपस्थित गुरूजनों को श्रीफल भेटकर व माथे पर तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग से हुआ।

प्राचार्या डॉ वीणा त्रिपाठी ने समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कर्म ही पूजा है।

इस अवसर पर एमएससी प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी शामिल रहे। सभी विद्यार्थियों ने शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई प्रेषित की।

डोंगरगांव शराब दुकान में गड़बड़ी को लेकर जोगी युवा मोर्चा के शमसूल ने सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव। डोंगरगांव क्षेत्र की शराब दुकान में ओवर रेटिंग व गड़बड़ी के मामले को लेकर अजीत जोगी युवा मोर्चा सक्रिय हो गया है। संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसुल आलम के नेतृत्व में मंगलवार को कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधीश के नाम ज्ञापन सौंपा। साथ ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाकर कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी ज्ञापन दिया गया।

शमसुल आलम ने आरोप लगाया कि डोंगरगांव की शराब दुकान में कार्यरत सुपरवाइजर गजेंद्र सिंह राजपूत और सेल्समैन गणपत यादव ओवर रेटिंग करते पकड़े गए थे। रायपुर से आई आबकारी उड़नदस्ता की टीम की जांच में दोनों दोषी पाए गए थे, जिसके बाद रायपुर आबकारी मुख्यालय से सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी को उन्हें ब्लैकलिस्ट करने का आदेश भेजा गया था।

लेकिन शमसुल आलम के अनुसार, सहायक आबकारी आयुक्त ने आदेश को दबा दिया और अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि सहायक आयुक्त और सुपरवाइजर के बीच मिलीभगत है और पूरे मामले को संरक्षण मिल रहा है।

ज्ञापन में यह मांग की गई कि दोषियों के खिलाफ तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई की जाए, अन्यथा संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा।

इसी क्रम में शमसुल आलम ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर कानून-व्यवस्था को लेकर भी ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि हाल ही में चिखली थाना क्षेत्र के नवागांव में हत्या की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

ज्ञापन में नाइट्रो-10, गांजा व अवैध शराब की खुलेआम बिक्री पर भी रोक लगाने की मांग की गई। इस अवसर पर युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नमन पटेल, शहर अध्यक्ष बिलाल सोलिन खान, जिला महासचिव पंकज सिन्हा, जिला महासचिव ऋषभ रामटेके, मजदूर संघ जिला अध्यक्ष संदीप सूर्यवंशी, आदि निषाद, सत्यम पांडे, अनवर खान, साहिल रामटेके, आकाश सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

युक्तियुक्तकरण से प्राथमिक शाला छुईहा में अब पर्याप्त शिक्षक, शिक्षा व्यवस्था हुई सुदृढ़

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला छुईहा (माल गुजारी) में युक्तियुक्तकरण के माध्यम से दो शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इससे विद्यालय में शिक्षकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप पढ़ाई व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो गई है। विद्यालय की दर्ज संख्या 106 है, जिसमें 54 छात्र और 52 छात्राएँ अध्ययनरत हैं।

पूर्व में विद्यालय में केवल दो शिक्षक पदस्थ थे जिसके कारण पढ़ाई सुचारू रूप से नहीं हो पा रही थी। अब दो अतिरिक्त शिक्षकों के जुड़ने से बच्चों को प्रत्येक विषय का अध्यापन व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण ढंग से मिल रहा है। युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत शासकीय नवीन प्राथमिक शाला इंद्रा कॉलोनी बिनौरी से मंजूषा वर्मा तथा शासकीय प्राथमिक शाला रवान से चंद्रकला सोनवानी की पदस्थापना की गई है।

विद्यालय में शिक्षकों की संख्या दोगुनी होने से बच्चों और अभिभावकों में प्रसन्नता का वातावरण है। विद्यालय की कक्षा पाँचवीं की छात्रा दीपिका घृतलहरे ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पहले केवल दो शिक्षक थे, जिसके कारण सभी विषयों की पढ़ाई संभव नहीं हो पाती थी, लेकिन अब चार शिक्षक हो जाने से सभी विषयों की पढ़ाई अच्छे से हो रही है।विद्यालय में शिक्षकों की उपलब्धता से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित होगी और बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में ठोस कदम साबित होगा।

बच्चों ने शिक्षक दिवस पर किया गुरुओं का सम्मान

राजनांदगांव। शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला बागतराई, संकुल डीलापहरी, जिला-राजनांदगांव में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का भावपूर्ण सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रांगण में हर्षोल्लास और सांस्कृतिक वातावरण के बीच किया गया।

इस अवसर पर प्रधान पाठक श्रीमती संध्या चुनारकर ने कहा कि शिक्षक केवल पठन-पाठन तक सीमित नहीं रहते, वे बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण में मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की स्मृति में मनाया जाने वाला यह दिन शिक्षकों के प्रति आदर और कृतज्ञता प्रकट करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

सहायक शिक्षक श्रीमती रमशीला सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक अच्छा विद्यार्थी वही होता है जो अपने शिक्षक का सम्मान करता है और शिक्षा को आत्मसात करता है। शिक्षा केवल किताबों में नहीं, आचरण में दिखनी चाहिए।

वहीं सहायक शिक्षक श्रीमती आरती जायसवाल ने कहा कि शिक्षक और छात्र के बीच विश्वास और सम्मान का संबंध होना चाहिए। यही रिश्ता आगे चलकर समाज के निर्माण में सहायक बनता है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से शिक्षकों का मन मोहा। बच्चों द्वारा बनाए गए शुभकामना कार्ड्स और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को उल्लासपूर्ण बना दिया।

अंत में शिक्षकों ने बच्चों के उत्साह और प्रेम के लिए आभार प्रकट किया और उन्हें शिक्षा, अनुशासन व संस्कार के मार्ग पर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी।

सरकार नहीं चाहती किसान से 21 किंवटल धान खरीदी करना पड़े जानबूझकर खाद की कमी की जा रही है - राकेश ठाकुर

यूरिया खाद मांग को लेकर बैलगाड़ी की रैली लेकर हजारों किसानो के साथ पहुंचे राकेश ठाकुर

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में किसानों ने यूरिया खाद की की मांग को लेकर आज दर्जनों बैलगाड़ी में हजारों किसानों के साथ कलेक्ट्रेट दुर्ग पहुंचे ।

यूरिया की कमी और 266 रुपए की यूरिया की कालाबाजारी होने पर कांग्रेसी और किसानों ने प्रदेश की भाजपा सरकार मुख्यमंत्री कृषि मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, गधा बेला रैली 1:00 बजे राजीव भवन से निकलकर भाजपा कार्यालय के सामने से होकर कलेक्ट ग्रुप पहुंची रास्ते भर और भाजपा कार्यालय के सामने भी कांग्रेसी और किसानों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में कांग्रेसी और किसान लगभग 1 घंटे कलेक्टर कार्यालय के पहले धरना देकर बैलगाड़ी में चढ़े रहे और लिखित में दो दिन में खाद उपलब्ध कराने की मांग को लेकर खड़े रहे इसके बाद एसडीएम भिलाई, उप संचालक कृषि विभाग और जिला सहकारी बैंक समिति के सीईओ ने तीनों अधिकारियों ने लिखित में दो दिन में जिले की सभी सोसाइटी में खाद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया ।

ग्रामीण कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार की मंशा ठीक नहीं है पहले डीएपी का संकट और कमी और अब यूरिया खाद की कमी सरकार स्वयं नहीं चाहती कि किसानों का 21 क्विंटल धान उत्पादन हो और सरकार को लेना पड़े पूर्व में भूपेश बघेल की सरकार में कभी ऐसी किल्लत और खाद की कालाबाजारी नहीं हुई, आज सोसाइटी में खाद नहीं पहुंच रहा है लेकिन कालाबाजारी के लिए दुकानदारों के पास यूरिया पहुंच जा रहा है 266 का यूरिया मजबूरी में किस को ?1200 और ?1500 में खरीदना पड़ रहा है पिछले सप्ताह ही कलेक्टर के निर्देश पर छापा मारने पर दुकानदारों के पास 145 मी टन खाद जप्त की गई । सीधा सीधा सरकार के संरक्षण में खाद की कला बाजारी हो रही है । प्रदेश की भाजपा सरकार के राज में हर वर्ग परेशान है किसान , मजदूर, व्यापारी, महिला , छात्र , कर्मचारी , सभी पहले बिजली दर में 20 प्र बढ़ोतरी और अब भूपेश बघेल जी शासन में कांग्रेस की महत्वकांक्षी योजना बिजली बिल हाफ योजना को बंद करने से शहरी हो या ग्रामीण गरीब मध्य वर्गी सभी का बिजली बिल 2 गुना आ रहा है ।

प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेंद्र साहू ने कहा 15 दिन पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा था कि छत्तीसगढ़ में खाद्य संकट नहीं होगा 15 दिन के अंदर 50000 में कितना खाद उपलब्ध रहेगी आज 15 दिन हो गए हैं किसानों को अब तक खाद की पूर्ति नहीं की गई ।

लिखित आश्वासन के बाद राकेश ठाकुर ने कहा कि 2 दिन में सोसायटी के माध्यम से सभी किसानों को यूरिया का वितरण करना होगा । बैलगाड़ी रैली में प्रमुख रूप से धीरज बाकलीवाल, आर एन वर्मा, अश्वनी साहू, अलताफअहमद, रिवेंद्र यादव , संजय कोहले, प्रवक्ता नासिर खोखर ,राजीव गुप्ता,रूपेंद्र शुक्ला, अजय गुप्ता, राजकुमार नारायणी,आनंद ताम्रकार मोहित वाल्दे, तिलक राजपूत, शिशिर कसार, सुमित घोस, प्रमोद राजपूत,राजेश ठाकुर,हीरा वर्मा वीर सिंह सहित अन्य हजारों किसान और कांग्रेसी उपस्थित रहे।

सौर ऊर्जा नीति में संशोधन और वरिष्ठ पत्रकारों की पेंशन दोगुनी

कैबिनेट का फैसला: शहीद एएसपी की पत्नी को डीएसपी पद पर नियुक्ति

रायपुर। मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में नक्सल विरोधी अभियान में शहीद हुए एएसपी आकाश राव गिरेपूंजे को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति, सौर ऊर्जा नीति में संशोधन और वरिष्ठ पत्रकारों की सम्मान निधि बढ़ाने जैसे निर्णय शामिल रहे।

शहीद की पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति

सुकमा जिले में 9 जून को हुए बम विस्फोट में शहीद हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरेपूंजे की वीरता को सम्मानित करते हुए उनकी पत्नी श्रीमती स्नेहा गिरेपूंजे को विशेष प्रकरण मानते हुए राज्य पुलिस सेवा में उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) पद पर नियुक्ति देने का निर्णय लिया गया।

बैठक में राज्य की सौर ऊर्जा नीति को संशोधित कर 2030 तक लागू करने का फैसला किया गया।

सौर ऊर्जा नीति में बड़ा संशोधन

सौर ऊर्जा परियोजनाओं को अब राज्य की औद्योगिक नीति के तहत प्राथमिकता उद्योग का दर्जा मिलेगा। निवेशकों को ब्याज अनुदान, पूंजी लागत पर अनुदान, जीएसटी प्रतिपूर्ति, बिजली शुल्क और स्टाम्प शुल्क में छूट, परियोजना रिपोर्ट तैयार करने पर अनुदान, भूमि उपयोग बदलने की फीस में छूट, और भूमि बैंक से जमीन लेने पर रियायत जैसी कई प्रोत्साहन योजनाएं दी जाएंगी।

एससी/एसटी, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और तृतीय लिंग समुदाय के उद्यमियों को विशेष छूट मिलेगी।

दिव्यांगों को रोजगार देने पर अनुदान और मेगा/अल्ट्रा मेगा प्रोजेक्ट्स के लिए विशेष पैकेज का प्रावधान भी जोड़ा गया।

लोक सेवा आयोग अध्यक्ष की नियुक्ति

कैबिनेट ने रीता शांडिल्य को लोक सेवा आयोग (क्स्ष्ट) के अध्यक्ष पद पर नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। वे अभी तक लोक सेवा आयोग की सदस्य और कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थीं।

वरिष्ठ मीडिया कर्मियों की पेंशन बढ़ाई गई

बैठक में छत्तीसगढ़ वरिष्ठ मीडिया कर्मी सम्मान निधि के तहत सेवानिवृत्त पत्रकारों को दी जाने वाली मासिक राशि 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 20 हजार रुपए करने का निर्णय लिया गया। इसकी घोषणा पहले ही राज्य के 2025-26 के बजट में की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

जेके मैक्स पेंट्स ने लॉन्च किया नया कैंपेन 'घर आने के बहाने'- खुशियों, आनंद एवं एकजुटता के रंगों को किया जीवंत

नई दिल्ली: जेके मैक्स पेंट्स लेकर आए हैं, अपना नया कैंपेन 'घर आने के बहाने'। जीवन से जुड़ा हास्य से भरपूर यह कैंपेन दर्शाता है कि किस तरह रंगीन दीवारें न सिर्फ घरों को खूबसूरत बनाती हैं बल्कि खुशियों, बातचीत और कनेक्शन्स का केन्द्र भी बन जाती हैं। कैंपेन की फिल्म में जिमी शेरगिल और मिनिशा लांबा तकरीबन दो दशकों के बाद पर्दे पर एक साथ नज़र आ रहे हैं। जिमी, समझदार और मिलनसार, घर के मालिक शर्मा जी की भूमिका में हैं, वहीं मिनिशा उनकी पत्नी के किरदार में दिखाई देती हैं। उनका नया-नया पेंट हुआ घर पड़ोसियों के लिए आकर्षण केन्द्र बना हुआ है। कभी इन्फ्लुएंसर्स उनके घर की रंगीन दीवारों के साथ रील्स बनाने के लिए आ जाते हैं, तो कभी पड़ोस की आंटियां बिन बुलाए अचानक घर आ जाती हैं; कुल मिलाकर आस-पड़ोस के लोग यू हीं बिना कारण, शर्मा जी के घर आने का बहाना ढूंढने लगे हैं। हंसी-मज़ाक से दर्शकों को लुभाने वाली यह फिल्म भारतीय समाज की विचित्रताओं को दर्शाती है, जिससे हम सभी जुड़े हुए हैं। फिल्म में पुराने ज़माने की जिज्ञासाओं से लेकर आज के दौर की सोशल मीडिया रील्स और वर्क-फ्रॉम-होम वीडियो कॉल्स तक- हर तरह के व्यवहार का संयोजन देखने को मिलता है। आकर्षक दृश्यों एवं जीवंत कैरेक्टर्स के साथ फिल्म की कहानी दर्शाती है कि किस तरह जेके मैक्स पेंट्स दीवारों को खुशियों और एकजुटता की रंगीन पृष्ठामि में बदल देता है।

इस नई कैंपेन फिल्म पर बात करते हुए श्री नीतिश चोपड़ा- बिज़नेस हैड (व्हाईट सीमेंट एंड पेंट्स बिज़नेस) ने कहा, ''घर के मालिकों के लिए सही पेंट चुनना बहुत अधिक मायने रखता है। यह एक तरह से इन्वेस्टमेन्ट है, जो तय करता है कि पेंट कितना लम्बा चलेगा। पेंट आपके घर को ऐसे स्थान में बदल देता है जो आपकी पर्सनेलिटी को अभिव्यक्त करता है। जेके मैक्स पेंट्स में हम इस बात को समझते हैं, घर की दीवारों को पेंट करना सिर्फ फिनिशिंग टच देने तक ही सीमित नहीं है, वास्तव में यह मकान को घर में बदल देता है। जेके सीमेंट की ओर से पेश किए गए हमारे बेहतरीन गुणवत्ता के टिकाऊ प्रोडक्ट्स लम्बे समय तक बेहतरीन परफोर्मेन्स देते हैं, कलर्स की व्यापक रेंज के साथ ये हर घर के लिए परफेक्ट हैं। अपने नए कैंपेन 'घर आने के बहाने' के ज़रिए हम इसी कनेक्शन को उजागर करना चाहते हैं, जो दर्शाता है कि सही पेंट न सिर्फ दीवारों को खूबसूरत बनाता है बल्कि खुशियों, उत्सुकता एवं एकजुटता को बढ़ाकर परिवारों और समुदायों को एक दूसरे के साथ भी जोड़ता है।'' श्री अमनदीप मल्हारी, मार्केटिंग हैड, (व्हाईट सीमेंट एंड पेंट्स बिज़नेस) ने कहा, ''जेके मैक्स पेंट्स में हम हमेशा से ऐसा ब्राण्ड बनाना चाहते हैं जो पेंट के फंक्शनल फायदों से बढ़कर बेहतरीन परफोर्मेन्स दे। 'घर आने के बहाने' इस कैंपेन के साथ हमने एक भरोसेमंद ब्राण्ड के रूप में अपनी मौजूदगी को और सशक्त बना लिया है, जो दीवारों को खुशियों के पलों में बदल देता है! यह फिल्म दर्शाती है कि किस तरह रंग एक घर को जीवंत एवं आकर्षक बना देते हैं। भारत में परिवार और आस-पड़ोस के लोग एक दूसरे के साथ जुड़े रहते हैं, ऐसे में हास्य इस भावना को जीवंत करने का सबसे अच्छा तरीका है। रील्स, ऑनलाईन इंटरव्यू और क्रिकेट जैसे एलीमेंट्स इसे आज के दौर के लिए और भी प्रासंगिक बनाते हैं। हमारा मानना है कि यह कैंपेन ब्राण्ड को उन उपभोक्ताओं के साथ जोड़ेगा जिनके लिए घर दीवारों से घिरा एक स्थान नहीं बल्कि यादों और खुशियों को संजोने वाला कैनवास है।''

सिद्धांत चतुर्वेदी और मैक्स फैशन के आइकॉनिक डेब्यू ने इंटरनेट पर मचाया धमाल

भारत के प्रमुख बहुराष्ट्रीय फैशन ब्रांड्स में से एक मैक्स फैशन ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, एक्टर और कल्चरल ट्रेंडसेटर सिद्धांत चतुर्वेदी को अपना पहला पुरुष ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। नए कैंपेन हाउ न्यू इज़ योर न्यू का चेहरा बने सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी सहज स्टाइल और उस पीढ़ी से जुड़ने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, जो व्यक्तिगत पहचान और सांस्कृतिक उत्कृष्टता दोनों को महत्व देती है। सिद्धांत बिल्कुल उसी ऊर्जा और अंदाज़ का प्रतीक हैं, जिसके लिए मैक्स जाना जाता है। यह सहयोग सिर्फ एक मौसमी कैंपेन नहीं है, बल्कि यह एक मजबूत इरादे का बयान है। मैक्स हर हफ्ते नए स्टाइल के साथ लाखों लोगों तक फैशन की प्रेरणा पहुंचाता है, जो लगातार बदलते ट्रेंड्स और विकसित होती व्यक्तिगत स्टाइल के साथ तालमेल बनाए रखती हैं। सिद्धांत की व्यापक लोकप्रियता और जेन ज़ी से जुड़ाव से परे, वे एक ऐसा अंदाज़ लेकर आते हैं जो उन भारतीय युवाओं से मेल खाता है जो म्यूजिक, मूवमेंट और स्टाइल के संगम पर जीते हैं। कल्कि कोचलिन, अलाया एफ और अब सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ, ब्रांड ने एक ऐसी तिकड़ी तैयार की है जो आधुनिक भारत के बहुस्तरीय, जीवंत और स्क्रॉल-सेवी पहलू को बखूबी दर्शाती है। कल्कि गहराई और व्यक्तित्व लाती हैं, अलाया जेन ज़ी की निडर ऊर्जा को सामने रखती हैं, और सिद्धांत इस समीकरण में ताज़गी और सहज युवा आकर्षण जोड़ते हैं। साथ मिलकर, वे उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कॉफी रन से लेकर रेड कार्पेट तक, परंपरा से लेकर ट्रेंड तक, हर जगह समान आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकती है। एक नए भारत के लिए एक नया मैक्स यह कैंपेन सिर्फ एक क्रिएटिव रिफ्रेश से कहीं बढ़कर है। यह मैक्स द्वारा अपने नियमों को दोबारा लिखने जैसा है। सिद्धांत को ब्रांड का चेहरा बनाकर, मैक्स ने ऊर्जा और इरादे दोनों में बदलाव का संकेत दिया है। यह और भी युवा और ज्यादा तेज़ है। सिद्धांत चतुर्वेदी कहते हैं, आज का स्टाइल बदलाव के बारे में है। मैं सेट पर, जिम में या दोस्तों के साथ वक्त बिताते समय, हर जगह एक जैसा नहीं होता। 'हाउ न्यू इज़ योर न्यू?' आपको उस बदलाव पर सोचने पर मजबूर करता है, और मैक्स उसे बखूबी पकड़ता है अपनी उन कलेक्शंस के साथ, जो आपके साथ कदम से कदम मिलाती हैं ना कि इसके उलट। आज का फैशन आपकी फीड जैसा है, लगातार बदलता हुआ। और मैक्स में है वही 'स्क्रॉल फैक्टर', जहां आपके हर वर्ज़न के लिए कुछ नया मौजूद है। हाउ न्यू इज़ योर न्यू? को इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि यह ऑन-पॉइंट एथलीज़र से लेकर वीकेंड गेटअवे तक की सभी गतिविधियों के लिए उपयुक्त हो। मैक्स का यह लेटेस्ट ड्रॉप रोज़मर्रा की ड्रेसिंग को आत्म-अभिव्यक्ति का एक माध्यम बना देता है। मैक्स फैशन के डिप्टी सीईओ सुमित चंदना कहते हैं, सिद्धांत के साथ हमारी साझेदारी एक स्वाभाविक मेल है। वे एक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और आगे बढ़ते भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं, वही खूबियां जिन्हें हम अपने ग्राहकों में भी मनाते हैं। 'हाउ न्यू इज़ योर न्यू?' हमारे ग्राहकों को यह आज़ादी देता है कि वे जितनी बार चाहें अपने लुक को नए अंदाज़ में गढ़ सकें, हर हफ़्ते उनके लिए ख़ास तौर पर क्यूरेट किए गए नए स्टाइल्स के साथ।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025 : 40 सेमीफाइनलिस्ट टीमों की घोषणा

गुरुग्राम: देश के अग्रणी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग इंडिया ने अपने युवा-केन्द्रित देशव्यापी इनोवेशन कॉन्टेस्ट 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' के चौथे संस्करण के लिए 40 सेमीफाइनलिस्ट टीमों की राष्ट्रीय सूची घोषित की है। ये टीमें अब प्रतियोगिता के अगले चरण में जाएंगी, जहां उन्हें अपने आइडिया को समाज पर असर डालने वाले समाधान में बदलने के लिए मेंटरशिप, प्रोटोटाइपिंग सपोर्ट और इनोवेशन प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच मिलेगी। टॉप 40 टीमों को कुल 8 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जबकि प्रत्येक टीम मेंबर को एक सैमसंग लैपटॉप प्रदान किया जाएगा। इस साल के सेमीफाइनलिस्ट्स भारत की अद्भुत भौगोलिक विविधता को दर्शाते हैं। इनमें देश के 15 राज्यों के प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें असम के कछार, उत्तर प्रदेश के बागपत, तेलंगाना के महबूबनगर, छत्तीसगढ़ के दुर्ग और ओडिशा के सुंदरगढ़ जैसे दूरदराज़ के इलाके भी शामिल हैं। यह प्रोग्राम लगातार देशभर के युवा चेंजमेकर्स को सामने लाने का कार्य कर रहा है, ताकि वे टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की ताकत से वास्तविक समस्याओं का समाधान खोज सकें।

'सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025' के लिए प्रविष्टियां चार प्रमुख विषयों पर आमंत्रित की गई थीं- एआई के ज़रिए एक सुरक्षित, स्मार्ट और समावेशी भारत, भारत में स्वास्थ्य, स्वच्छता और कल्याण का भविष्य, स्पोर्ट्स और टेक्नोलॉजी के ज़रिए सामाजिक बदलाव और बेहतर शिक्षा, टेक्नोलॉजी के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता शॉर्टलिस्ट किए गए आइडिया भारतीय समाज की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं-एआई आधारित एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग, जैव विविधता संरक्षण, स्वच्छ जल तक पहुंच, फूड व ई-वेस्ट मैनेजमेंट के लिए स्मार्ट समाधान, वंचित समुदायों के छात्रों के लिए गेमिफाइड लर्निंग, पर्सनलाइज्ड कोचिंग ऐप्स, ऑटिज्म से जूझ रहे बच्चों के लिए खेल आधारित हस्तक्षेप, शुरुआती फेफड़े के कैंसर की पहचान, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े डिजिटल टूल्स और तकनीकी शोध को आसान बनाने के लिए इंटेलिजेंट डेटा स्क्रैपिंग जैसे इनोवेशन इसमें शामिल हैं।

1 नवंबर से लागू होगा पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम, 7 IPS अधिकारियों की समिति गठित

रायपुर। राजधानी में लंबे समय से चर्चा में रहा पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम अब हकीकत बनने जा रहा है। राज्योत्सव के मौके पर, यानी 1 नवंबर से इसकी शुरुआत की तैयारी शुरू हो गई है। इसी कड़ी में सरकार के निर्देश पर डीजीपी अरुणदेव गौतम ने सात सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।

समिति का गठन

समिति की कमान सीनियर एडीजी प्रदीप गुप्ता को सौंपी गई है। इसमें पुलिस महानिरीक्षक (नारकोटिक्स) अजय यादव, पुलिस महानिरीक्षक (रायपुर रेंज) अमरेश मिश्रा, पुलिस महानिरीक्षक (अअवि) ध्रुव गुप्ता, उप पुलिस महानिरीक्षक (दूरसंचार) अभिषेक मीणा, उप पुलिस महानिरीक्षक (सीसीटीएनएस) संतोष सिंह और पुलिस अधीक्षक (विआशा) प्रभात कुमार सदस्य बनाए गए हैं। इसके अलावा, वैधानिक पहलुओं पर मार्गदर्शन के लिए लोक अभियोजन संचालनालय की संयुक्त संचालक मुकुला शर्मा को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

किन मुद्दों पर मंथन करेगी समिति

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम को छत्तीसगढ़ पुलिस एक्ट 2007 के प्रावधानों के अनुसार लागू किया जाए या इसके लिए नया एक्ट बनाया जाए।

अगर नया एक्ट बनाना पड़ा तो विकल्प होंगे—या तो विधानसभा से अधिनियम पारित कराया जाए या फिर राज्यपाल से अध्यादेश जारी कराया जाए।

अन्य राज्यों में लागू कमिश्नरेट मॉडल का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ के लिए सर्वश्रेष्ठ ड्राफ्ट तैयार करना।

राज्योत्सव पर नई प्रणाली

सरकार चाहती है कि राज्योत्सव के दिन राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली औपचारिक रूप से लागू हो। इसके लिए तेजी से काम किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सिस्टम से राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति मजबूत होगी और पुलिस प्रशासन अधिक जवाबदेह बनेगा।

रोहिना में हुआ ऐतिहासिक एवं पारंपरिक नुआखाई मिलन समारोह का आयोजन

कोलता समाज द्वारा आयोजित नुआखाई मिलन सह सम्मान समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का किया गया सम्मान*

शंकर लहरे सरायपाली (समय दर्शन)

बाबा बिशासहे कुल कोलता समाज संभाग रायपुर छग का नुआखाई मिलन सह सम्मान समारोह ग्राम रोहिना शाखा सभा रोहिना में आयोजित किया गया। जिसमें आंचलिक सभा सरायपाली, बसना, पिथौरा एवं रायपुर से बड़ी संख्या में सामाजिक जनों ने भाग लिया। समारोह में प्रतिभा सम्पन्न 61विशिष्ट जनों का कोलता समाज द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुल कार्यकारिणी अध्यक्ष गिरधारी साहू, संरक्षक गण हरिचरण प्रधान, व्यासदेव भोई, महामंत्री मथामणी बढ़ाई, प्रदेश उपाध्यक्ष नंदकिशोर भोई,सचिव युगल किशोर प्रधान, उड़िसा से दीवाकर प्रधान,संभागीय उपाध्यक्ष प्रवीण भोई, मुरली प्रधान, चित्रसेन प्रधान, संभागीय सचिव मोहन साहू, ललित साहू, रंकमणी प्रधान, कार्यकारिणी सदस्य किशोर भोई , मंदिर समिति अध्यक्ष चन्द्रकांत भोई, विशेष आमंत्रित सदस्य सुवर्धन प्रधान, गोवर्धन साहू, आंचलिक अध्यक्ष सरायपाली प्रदीप साहू, बसना भोजराज प्रधान, पिथौरा षडानन भोई,महिला प्रकोष्ठ संरक्षक मंदाकिनी साहू, संभागीय महिला प्रकोष्ट अध्यक्ष त्रिवेणी बढ़ाई, युवा प्रकोष्ट अध्यक्ष राजेश प्रधान, विधिक सलाहकार दिलीप भोई, प्रवक्ता देवेन्द्र भोई, कमलेश साहू, सामाजिक अंकेक्षण नंदलाल प्रधान, सलाहकार संतोष साहू, सुभाष प्रधान, त्रिलोचन प्रधान सहित समस्त शाखा सभा सभापति, आंचलिक पदाधिकारी मंचासिन थे।

समारोह का शुभारम्भ के पूर्व बीच चौक से गाँव की महिलाओं द्वारा जुगार यात्रा निकाली गई मां रामचंडी की पूजा अर्चना कर सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। शाखा सभा रोहिना द्वारा अतिथियों का स्वागत पश्चात सरायपाली आंचलिक अध्यक्ष प्रदीप साहू एवं संभागीय महामंत्री मथामणी बढ़ाई ने स्वागत भाषण दिया। समाज के जाति भाई बहनों को कार्य करते हुए हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर कर सहभागी होना होगा तभी समाज का उत्थान होगा।

गिरधारी साहू ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि रोहिना में 24 वां नुआखाई मिलन समारोह का आयोजन हो रहा है। इस समारोह में सामाजिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए आपसी सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया जाता है। आज के सम्मान समारोह में जिन प्रतिष्ठित व्यक्तियों एवं प्रतिभाओं का सम्मान किया जा रहा है उससे न सिर्फ उनका मनोबल बढ़ेगा बल्कि आने वाली पीढ़ी को उनसे से प्रेरणा मिलेगी

इनका किया गया सम्मान- रोहिना में आयोजित नुआखाई मिलन समारोह में विभिन्न क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले सामाजिक जनों को सम्मानित किया गया। जिनमें दसवीं बोर्ड टॉपर आरती भोई, अनुष्का प्रधान, दसवीं सीबीएसई टापर तापस बारिक, प्रज्ञा साहू, स्वास्तिक साहू, 12वीं बोर्ड पायल साहू, अस्मिता भोई, केंद्रीय बोर्ड. अनिष प्रधान, अरमान साहू, नीट उत्तीर्ण मीनाक्षी प्रधान, अमन प्रधान, नम्रता प्रधान, शिवराज प्रधान, श्रुति प्रधान, विवेक भोई, अलोक साहू, पीएससी चयनित तुषार बारिक, राहुल प्रधान, अतुल भोई, विश्वविद्यालय टॉपर रितुरानी प्रधान, मनोज प्रधान, भावना भोई, संस्कृति साहू, श्याम साहू, पीएचडी होल्डर डॉ लक्ष्मीप्रिया प्रधान, डॉ अनीता भोई, डॉ प्रिया बारिक, राज्यपाल पुरस्कृत स्काट्स गइड्स उमेश बारिक, विश्वनाथ भोई, प्रीति भोई, नैमिष बारिक, संजू प्रधान, दिगंबर भोई, मनीष प्रधान, मनीष साहू, राज्य - राष्ट्रीय खिलाड़ी लीलेश प्रधान, माही साहू, अनुष्का प्रधान, पूजा प्रधान, योगिता प्रधान, इसिका साहू, जगदीश सामल उत्कृष्ट शिक्षक धरणीधर साहू, कृषक तेजराम साहू, व्यापारी दयानिधि भोई, युवा सामाजिक कार्यकर्ता आंचलिक युवा प्रकोष्ठ सरायपाली, पर्यावरणविद डॉ पीतांबर साहू, मैकेनिक मनबोद बारिक, महिला कार्यकर्ता चन्द्रमा प्रधान, सभापति संजय भोई , चिकित्सक डॉ शैलेन्द्र प्रधान, वादक वासुदेव प्रधान, गायक विजय प्रधान, पुलिस सेवा हेमकुमार गढ़तिया, सामाजिक कार्यकर्ता बृजभानु साहू , कर्मचारी विजयंती भोई, उत्कृष्ट संयुक्त परिवार वकील प्रधान, विशिष्ट सामाजिक सम्मान बृन्दावन साहू को स्मृति चिन्ह,अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में रोहिना शाखा सभा के 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के दुखु बेहरा, डंकनाशन, चितरंजन, इंद्रजीत, शशिधर, राहसो साहू..... को समाज द्वारा सम्मानित किया गया। तत्पश्चात वरिष्ठ लोगों के समक्ष समाज के अन्य लोगों ने मुड़िया मार कर आशीर्वाद प्राप्त किये। भाव विभोर कर देने वाला क्षण था। सामूहिक भोज के रूप में प्रसाद ग्रहण किये। अंत में कुल कार्यकारिणी सभा ने ऐतिहासिक एवं सफल आयोजन के लिये शाखा सभा रोहिना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक छोटे से शाखा सभा ने जिस समाजिक सद्भाव एवं आपसी भाई चारे का परिचय देते हुए इतनी बड़े आयोजन को सफल बनाया काबिले तारीफ है।

इनका रहा योगदान- समारोह को सफल बनाने में आंचलिक उपाध्यक्ष जयंत बारीक,सचिव भूपेंद्र भोई, रामचंडी सेवा समिति अध्यक्ष रामलाल साहू, कर्मचारी प्रकोष्ठ से सूर्यकांत बारीक, अशोक साहू, अश्विनी बारीक, महेश नायक,खितिपति साहू ,महिला प्रकोष्ठ से मीना साहू, सुजाता साहू,अलका साहू,पद्मिनी भोई,रोहिना शाखासभा सभापति बृन्दावन साहू, उप सभापति खिरोद्र साहू, सचिव नरहरि साहू, सह सचिव आनंद प्रधान, कोषाध्यक्ष नेपाल साहू, ग्राम सदस्य दिवाकर साहू, बसंत नायक, आनंद साहू, अर्जुन प्रधान, विजय साहू, मेघनाथ साहू, विभषण, अगरत साहू, देवकुमार साहू, कुंतल साहू, रूपानंद साहू, भगवानो बेहरा, दुर्योधन बेहरा, कमलेश साहू, चूड़ामणी साहू, हीरालाल साहू, राकेश साहू, विजय साहू, विमल भोई, कौशल साहू, अखिलेश बेहरा, गुणनिधि साहू, गिरधारी, रघुमणि, मनोज साहू, शिशुपाल, जीतू, मुकेश, विकेश, खिरोद्र, सहित समस्त जाति भाई रोहिना शाखा सभा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन संभागीय सचिव ललित साहू ने एवं आभार व्यक्त रोहिना शाखा सभापति बृन्दावन साहू ने की। उक्त जानकारी संभागीय मिडिया प्रभारी कमलेश साहू ने दी।

संपादकीय

योगी सरकार का ऐलान वाकई सराहनीय

उत्तर प्रदेश में हेलमेट का इस्तेमाल नहीं करने वालों के लिए योगी सरकार का ऐलान वाकई सराहनीय है। योगी आदित्यनाथ की सरकार 1 अगस्त से 'हेलमेट नहीं, पेट्रोल नहीं' का विशेष अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग की अपील की है। यह विशेष सड़क सुरक्षा अभियान 30 सितम्बर तक पूरे राज्य में लागू रहेगा। दरअसल, देशभर में बिना हेलमेट लगाए बाइक चालकों की मौत का आंकड़ा व्यापक है। देश में साल 2021 में हेलमेट न पहनने के कारण लगभग 47,000 लोगों की मौत हुई, जो कि हर घंटे चार लोगों की मौत के बराबर है। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं और हेलमेट न पहनने के खतरनाक परिणामों को दर्शाते हैं, खासकर दोपहिया वाहन चलाने वालों के लिए, जहां मौतें अक्सर हेलमेट के इस्तेमाल से रोकी जा सकती है। राज्य सरकार के इस अभियान में परिवहन, पुलिस, राजस्व और जिला प्रशासन के अधिकारी मिलकर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, मगर सड़कों पर कुछ दिनों के अभियान के बाद हालात पहले की तरह लापरवाही भरे दिखने लगते हैं। कई बार तो जुर्माने से बचने के लिए युवा तबका बाइक को ज्यादा तेज गति से भगाने लगता है और दुर्घटना का शिकार हो जाता है। शायद इसी बात को देखते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि इसका लक्ष्य नागरिकों को दंडित करना नहीं, बल्कि उन्हें कानून के अनुरूप सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईधन तभी, जब हेलमेट सिर पर हो। बहरहाल, सरकार को इस नियम को कायदे से लागू करवाने के लिए जरूरत से ज्यादा मशक्कत करने की कवायद करनी पड़ेगी। काफी अरसा पहले दूरदर्शन में हेलमेट की महत्ता और लोगों की जान की कीमत को लेकर एक विज्ञापन दिखाया जाता था। वैसे भी एक बात सभी को समझनी चाहिए कि बिना सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल किए कोई भी अपनी जान की रक्षा नहीं कर सकता है। इसलिए कार सवार के लिए सीट बेल्ट और बाइक सवार के लिए हेलमेट का इस्तेमाल जीवन रक्षा की गारंटी मानी जाती है। उत्तर प्रदेश सरकार का यह फैसला निस्संदेह प्रशंसनीय है। हालांकि ऐसे अभियान की सफलता तभी कारगर है जब पब्लिक नियम-कायदे का पालन करे और अपनी जिंदगी की सुरक्षा के लिए बाकी लोगों को भी जागरूक करे।

डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा-पंजाब बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा। अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है। भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन-सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े-लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुंचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन-सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है। यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वतः ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई-प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई-प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है। हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भी निर्देश दिया है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ-सुथरी लिखावट और स्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन की ट्रेनिंग दी जाए। यदि मेडिकल शिक्षा के शुरुआती दौर से ही छात्रों को साफ लिखने और स्पष्ट पर्चा देने की आदत डाल दी जाए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या स्वतः ही खत्म हो सकती है। यह सुधार मेडिकल एथिक्स का हिस्सा बनना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस नीति के तहत छोटे क्लिनिक और ग्रामीण डॉक्टरों को कंप्यूटर आधारित प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है।

आखिरकार जाना पड़ा भ्रष्ट एवं काहिल सरकार को

डॉ घनश्याम बादल

आखिरकार वही हुआ जिसकी आशंका थी। जेन जी के कार्यकर्ताओं के आगे लाठी, गोली,प्रतिबंध और सरकार की ताकत सब ध्वस्त हो गई और अंतत सरकार को जाना पड़ा ।

नेपाल सरकार का पतन तो तब ही शुरू हो गया था जब तीन मंत्रियों ने इस्तीफे दे दिए थे. फिर आरएसपी के 21 सांसदों ने भी अपने इस्तीफे राष्ट्रपति को भेजे लेकिन सुदन गुरुंग के एवं जी ओ 'हामी नेपाल' के कार्यकर्ता संतुष्ट नहीं हुए । आखिरकार सोशल मीडिया से बैन हटा लिया गया लेकिन तब भी बात नहीं बनी। फिर के पी शर्मा ओली ने इस्तीफा दिया और उनके साथ ही वहां के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने भी कुर्सी छोड़ दी. अब नेपाल में अव्यवस्था आगजनी लूटपाट और हिंसा का राज चल रहा है.

भारत का सबसे निकट पड़ोसी और दुनिया के गिने ङ्क चुने हिंदू राष्ट्रों में से एक नेपाल संकट में है । वहां की के पी शर्मा ओली सरकार के खिलाफयुवा जेन जी के कार्यकर्ता सड़कों पर हैं । काठमांडू और वीरगंज में ही नहीं अपितु देश के दूसरे शहरों में भी हालात लगातार बिगड़ रहे हैं और अब तक मिले अपडेट के अनुसार 20 लोग मारे गए हैं।

अभी कुछ दिनों पहले ही ओली सरकार ने नेपाल में सोशल मीडिया मंचों को चलाने वाली कंपनियों को अपना रजिस्ट्रेशन एक हफ्ते के अंदर करने के लिए कहा था । साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया था कि वह नेपाल के कानून का पूरी तरह पालन करें लेकिन टिकटोक जैसी एक दो कंपनियों को छोड़कर किसी ने भी उनके इस निर्देश का पालन नहीं किया जिसके चलते हुए उन्होंने फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम ,यूट्यूब और एक्स जैसे सोशल मीडिया मंचों पर रोक लगा दी थी ।

पहले से ही बेरोजगारी भ्रष्टाचार एवं महंगाई की वज़ह से गुस्से में तना बैठा युवा इससे और भी उखड़ गया और आज सुबह से ही वह नेपाल की सड़कों पर उतर गया।

जेनरेशन जी के इन कार्यकर्ताओं का गुस्सा केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगाने मात्र तक सीमित नहीं है बल्कि वह देश में लगातार बढ़ रही बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, भूमि सुधार कानून एवं सत्ता में बैठे हुए व्यक्तियों द्वारा अपने व्यक्तिगत तथा पारिवारिक लाभों के लिए सत्ता का अनुचित इस्तेमाल करना भी उनके एजेंडे में शामिल है । उनका मुख्य आरोप है कि नेपाल की वर्तमान सरकार युवाओं को रोजगार देने की दिशा में गंभीर नहीं है।

यदि नेपाल के रोजगार के आंकड़े उठाकर देखें तो 1995- 96 में वहां पर रोजगार प्राप्त करने लायक जनसंख्या का 67ब रोजगार पाया हुआ था जबकि 30 वर्षों में यह प्रतिशत घटकर केवल 30ब पर आ गया है ऐसे में रोजी-रोटी के संकट का सामना कर रही युवा पीढ़ी का आक्रोशित होना स्वाभाविक है । साथ ही साथ इस संगठन और दूसरे युवाओं का यह भी आरोप है कि नेपाल में क्षेत्र विशेष में ही विकास के कार्य किए जाते हैं जबकि करनाली, डॉल्पा और हुमल जैसे क्षेत्र आज भी उपेक्षित हैं।

नेपाल लंबे समय से अस्थिर सरकारों के दौर से गुजर रहा है. 2008 में राजशाही परिवार की हत्या के बाद से ही वहां राजनीतिक स्थिरता नहीं आ पाई है और 17 साल के अंतराल में वहां 15 सरकारें एवं प्रधानमंत्री बदले हैं । वर्तमान सरकार भी गठबंधन की सरकार थी . उसमें नेपाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यू एम एल) मुख्य दल थे। जिम आपसी वैचारिक द्वंद लगातार चल रहा था। चुनाव में बेमेल गठबंधन करके 15 जुलाई 2024 को ही के पी शर्मा चौथी बार सत्ता में लौटे थे ।

एक और सरकार की अंदरूनी कलह तो दूसरी ओर विपक्ष के नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड भी लगातार वहां की सरकार को चुनौती देते रहे थे। इन सब के चलते नेपाल में सुशासन जैसी व्यवस्था लागू नहीं हो पाई जिसके चलते हुए वहां का युवा सरकार के खिलाफ खड़े होने पर मजबूर हुआ ।

सरकारों की काहिली और राजनीतिक स्वार्थ पूर्ति के चलते हुए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में समय-समय पर इस तरह के विद्रोह पहले भी होते आए हैं । चीन का थियेन आन मन चौक कांड अभी तक भी लोग नहीं भूले होंगे । इसी तरह अरब देशों में 2010 से 2012 के बीच अरब स्प्रिंग के नाम से ऐसा ही आंदोलन शुरू हुआ था और इस आंदोलन के चलते हुए वहां की ट्यूनीशिया की सरकार को हटना पड़ा था और मिस्र में भी हुस्नी मुबारक को सत्ता गंवानी पड़ी थी जबकि संघर्ष के चलते हुए लीबिया और सीरिया आज तक भी गृहयुद्ध झेल रहे हैं । 2013 में तुर्की में गीजी पार्क आंदोलन खड़ा हुआ लेकिन उसे कठोरता पूर्वक दबा दिया गया जबकि 2019 ङ्क 2020 में हांगकांग विरोध आंदोलन को भी चीन ने बर्बरता पूर्वक कुचल दिया । 2018-19 में सूडान में भी युवा आक्रोशित हुए और वहां की अल बशीर सरकार का पतन हुआ जबकि बेलारूस में 2020 में चुनावी धुंधली के खिलाफ विपक्ष सड़कों पर उतरा लेकिन वहां उसका दमन कर दिया गया। इसी तरह भारत में भी किसान आंदोलन के आगे सरकार को झुककर कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। बांग्लादेश और श्रीलंका की तरह एशिया में नेपाल तीसरा देश हो गया है जहां युवाओं के हिंसक आंदोलन के बाद सरकार को दक तख्तापलट का सामना करना पड़ा है

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि सरकारों के ख़िलाफ़ लोग खड़े क्यों होते हैं ? सामान्यत: आम आदमी आंदोलन या विद्रोह से बचता है लेकिन जब पानी सर के ऊपर आ जाता है तो फिर वह सड़कों पर उतर जाता है और देश के हालात बद से बदतर होते चले जाते हैं और नेपाल में यह सामने ही है।

समय का तकाज़ा है कि सरकारें सत्ता में आने के बाद भी जन भावनाओं का ख़्याल रखें। विकास में ईमानदारी रखें और रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराएं जिससे आम आदमी संतुष्ट हो । साथ ही साथ भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी तथा दल, वर्ग, जाति, मज़हब या धर्म की राजनीति से यथा संभव बचा जाए अन्यथा स्थिति में दुनिया भर में ऐसे आंदोलन होते रहेंगे ।

भले ही नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन की बात शुरू हो गई है लेकिन अभी नहीं कह सकते कि नेपाल के हालात आने वाले दिनों में कैसे होंगे ।

यहां बात केवल नेपाल के अंदरूनी हालातों की नहीं है अपितु इनका असर भारत पर भी पड़ता है इसलिए भारत की सरकार को भी सतर्क होकर हालात पर न केवल निगाह रखनी चाहिए अपितु नेपाल में भारतीयों के हितों एवं सुरक्षा की भी बात करनी होगी और हर संभव प्रयास करना होगा ताकि नेपाल में लोकतंत्र बचा रहे और भारत से रूठा हुआ नेपाल फिर से उसकी ओर लौट कर समृद्धि की राह पर चल सके।

डॉनल्ड ट्रंप का अमेरिका कहीं विश्व में अलग थलग न पड़ जाए

अजय दीक्षित

आज चाइना के 70वे विक्ट्री डे परेड के मौक पर बीजिंग से एक संदेश निकला है कि विश्व में अब अमेरिका की एक तरह से दादागिरी नहीं चलेगी।इस मौके पर रूस के राष्ट्रपति वालीडमार पुतिन, नॉर्थ कोरिया के राष्ट्रपति किंग जोंग , चाइना के राष्ट्रपति सी जिंग पिंग, फिनलैंड और तमाम यूरोपीय देशों के 26 शासनाध्यक्ष मौजूद थे।इस दौरान चाइना ने अपनी सैन्य ताकत का भी प्रदर्शन किया।चाइना ने विक्ट्री डे के ठीक दो दिन पहले शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी कूटनीतिक स्तर पर आयोजित की थी जिससे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप,को बुलाया नहीं गया था। दूसरी ओर डॉनल्ड ट्रंप ने आज कहा है कि बीजिंग में पुतिन,सी जिंग पिंग, और किंग जोंग अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहे हैं।एक ओर महत्वपूर्ण बयान फ्रांस के राष्ट्रपति ने पेरिस से दिया कि भारत को टैरिफ के नाम पर प्रताड़ित करना अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए ठीक नहीं है।इससे नाटो देशों की भावना कमजोर होगी। ऐसा लगता है कि चाइना के राष्ट्रपति सी जिंग पिंग इस समय का इंतजार कर रहे थे कि कब भारत अमेरिका से अलग रास्ते पर चल पड़े। दरअसल इस समय रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर पूरी दुनिया दो फाड़ हो गई है।1990 में सोवियत संघ के विघटन के बाद पहला मौका है जब अमेरिका जो चाहता वह हो नहीं पाया है।रूस ने युद्ध बंद करने से मना कर दिया और अब वह पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने की जुगाड में है। रूस पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका ने इस लिए भारत पर पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया कि भारत रूस से सस्ती दरों पर काफी क्रूड ऑयल खरीद रहा है और रूस की अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने का काम कर रहा है जबकि चीन भी ऐसा ही कर रहा है। दूसरी ओर अमेरिका चाहता है कि भारत पुतिन से रक्षा समझौता ब उपकरण हेलीकॉप्टर मिसाइल ड्रोन राइफल फाइटर जेट्स,कम मात्र में खरीदे बल्कि अमेरिका से डील करे । यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप के कारनामे के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका दौरा भी रद्द कर दिया है और डोनॉल्ड ट्रंप भी भारत नहीं आ रहे हैं। चाइना अब उस स्थिति में आ गया है कि वह विश्व लीडर बन सके।उसका वित्तीय विकास बहुत ही अच्छा है। दूसरे पायदान की अर्थव्यवस्था है ।अब वह भी गोलबंदी में लगा है भारत ही उसकी कमजोर कड़ी थी क्योंकि भारत भी रिकॉर्ड 7 फीसदी जीडीपी ग्रोथ रेट से बढ़ रहा है।वह भी विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक व्यवस्था है।हो सकता एक दशक में तीसरे स्थान पर आ जाएगा। ट्रंप ने चाइना को यह अवसर दिया है कि वह भारत के साथ काम करे । इस समय यूरोपीय देशों में फ्रांस जर्मनी इटली ब्राजील ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका न्यूजीलैंड इंग्लैंड, अमेरिका की नीतियों से सन्तुष्ट नहीं है क्योंकि युक्रेन युद्ध में अमेरिका की भूमिका को रूस तब्बजो नहीं दे रहा है।

सी.पी. राधाकृष्णन: एक नये अध्याय की शुरुआत

ललित गर्ग

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा।

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा।

सी.पी. राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए। भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक ज़मीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज़ 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी।

भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से यह संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्व का नहीं बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। आज एनडीए द्वारा इस परंपरा में नई ऊर्जा का संचार करते हुए प्रभावी और रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्जवल परंपरा को आगे बढ़ाने का संकेत है। यह प्रयास बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए यह आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति संस्था निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बनी रहे। सी.पी. राधाकृष्णन का जीवन संघर्ष, साधना और निरंतर सक्रियता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 20 अक्तूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन का विद्यार्थी जीवन खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा रहा। वे टेबल टेनिस के चैम्पियन रहे और उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़े। सत्तर के दशक में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले राधाकृष्णन धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरे बने। कोयंबटूर से वे 1998 और 1999 में लगातार दो बार लोकसभा सदस्य चुने गए। संसद में उनकी सक्रियता, समितियों में भागीदारी और जनता से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी ने उन्हें एक सशक्त जननेता के रूप में पहचान दी। वर्ष 2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु का नेतृत्व किया और संगठन विस्तार के लिए यात्रा, आंदोलन और संवाद को प्रमुखता दी। इसके बाद कोइर बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नारियल उद्योग और उसके निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। राधाकृष्णन की प्रशासनिक यात्रा उन्हें राज्यपाल पद तक ले गई। वे झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने पारदर्शिता, सौम्यता और संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य किया। उनकी छवि एक सहज, सरल और संतुलित व्यक्ति की है जो संवाद से समाधान तलाशने में विश्वास रखते हैं। जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा तो इस पद पर चुनाव की आवश्यकता पड़ी। एनडीए ने सर्वसम्मति से राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष ने भी अपना प्रत्याशी उतारा, परंतु संख्या बल के कारण यह साफ था कि राधाकृष्णन की विजय लगभग सुनिश्चित है। कुछ क्षेत्रीय दलों ने मतदान से दूरी बना ली, जिससे समीकरण और भी सरल हो गए। राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्यसभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि यह संसद की गरिमा और संविधान की मर्यादा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका पूरा जीवन एक कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को केवल शक्ति के रूप में नहीं देखा बल्कि सेवा और कर्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहें हैं तो यह आशा की जा सकती है कि वे संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊँचाई देंगे। उनका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

आश्विन कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक पितरों का श्राद्ध करने की परंपरा है। पितृपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, उनका स्मरण करने और उनके प्रति श्रद्धा अभिव्यक्ति करने का महापर्व है। इस अवधि में पितृगण अपने परिजनों के समीप विविध रूपों में मंडराते हैं और अपने मोक्ष की कामना करते हैं। परिजनों से संतुष्ट होने पर पूर्वज आशीर्वाद देकर हमें अनिष्ट घटनाओं से बचाते हैं। जिस तिथि में माता-पिता का देहांत हुआ है, उस तिथि में श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध से पितृगण प्रसन्न होते हैं और श्राद्ध करने वालों को सुख-समृद्धि, सफलता, आरोग्य और संतानरूपी फल देते हैं।

दिवंगतों की अच्छाइयों का स्मृति पर्व

पाश्चात्य संस्कृति का हिस्सा बन चुके हम आए दिन कोई न कोई 'डे' मनाते रहते है।साल के दिनों की संख्या से ज्यादा तो तथाकथित 'डे' मनाए जाते हैं ,ना इसमें कोई बुराई है वे लोगों को जीते जी याद करते हैं तो हम परिजनों के गुजर जाने के बाद भी उन्हें याद करते हैं।उनकी याद में दिवस मनाते हैं भारतीय संस्कृति सबको साथ ले कर चलने वाली है। हम अगर श्राद्ध की बात करें तो इसमें न सिर्फ अपने पिता अपितु पितरों (हमारे दादा-परदादा) के प्रति भी धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से सम्मान प्रकट किया जाता है,बल्कि उन्हें याद किया जाता है,उनका आभार माना जाता है। इन दिनों में सात्विकता, पशु-आहार ,दान का विशेष महत्व है। यहां मूलत: 'आत्मा अमर है' का विश्वास काम करता है कि वे जहां कहीं भी हैं हमें देख रहें होगें। भारतीय संस्कृति की एक विशेषता उल्लेखनीय है कि वह अपने संस्कार से व्यक्ति को विनयवान बनाती है। जहां इसमें 'धर्म-भीरुता' एक कमजोर पक्ष बनकर उभरा है जिससे कई कुरीतियों ने भी जन्म लिया। वहीं शिक्षा के प्रसार से कुछ नवीनता भी आई है। दान का स्वरुप बदल कर ब्राह्मण भोज के स्थान पर लोगों ने जरूरतमंदों और अनाथालयों में अन्न सेवा प्रारंभ कर दिया है। कुछ समर्थ लोग दोनों ही तरह के दान के हामी होते हैं तो आधुनिक विधि-विधान को महत्व न देकर श्राद्ध में छिपे मूल भाव को महत्व देते हुए अपने पूर्वजों को याद करने के विभिन्न तरीके अपनाते हैं। पितरों का आशीर्वाद बना रहे,पूर्वजों के प्रति आभार जताने का भाव मन में आ जाना, पूर्वजों के साथ घर में रहने वाले बुजुर्गों का भी आदर बना रहे यही सही मायने में श्राद्ध है जो कि आज के समय की मांग है। श्राद्ध पर्व की मूल अवधारणा श्रद्धा पर आधारित है। श्राद्ध पर्व के 16 दिनों के दौरान यदि हम अपने विलग हो चुके बुजुर्गों को याद कर उनकी अच्छाइयों को अपने और अपनी अगली पीढ़ी के जीवन में कार्यान्वित कर सकें तो इस भाव-प्रसंग की सार्थकता कुछ और बढ़ जाएगी।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार, जानिए क्या है पंचबलि कर्म

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमश: पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नम:' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि- पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि- चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

दीपावली से भी ज्यादा बड़ी है श्राद्ध पर्व की 8वीं तिथि

महालक्ष्मी पर्व यानी गजलक्ष्मी व्रत है। इस दिन को दीपावली से भी अधिक शुभ माना जाता है। पितृ पक्ष में आने वाले गजलक्ष्मी व्रत में अगर अपनी राशि अनुसार विधि-विधान से पूजन किया जाए तो महालक्ष्मी विशेष प्रसन्न होती हैं और जीवन में धन-समृद्धि आती है। आइए, जानें किस-किस राशि वाले जातक को किस प्रकार से पूजन करने से इष्टतम लाभ हो सकता है।

मेष राशि : इस राशि के जातक अगर ऋण से त्रस्त हैं तो मिट्टी के हाथी के समक्ष 'ऋणहर्ता मंगल स्तोत्र' का पाठ करना चाहिए इससे ऋण उतरने लगता है।

वृषभ राशि : इस राशि के जातकों के लिए गजलक्ष्मी व्रत से हर शुक्रवार को श्री विष्णु-लक्ष्मी का पूजन करने से धन व नाम मिलता है। इस प्रयोग को कम से कम एक साल तक करें यानी अगले गजलक्ष्मी व्रत तक करें चमत्कार स्वयं देखें।

मिथुन राशि : चांदी का हाथी बनवाकर श्री लक्ष्मी के मंत्रों से पूरित कर गल्ले में रखें निश्चित ही धनलाभ होता है। धन का भंडार भरा रहता है तथा परिवार में व्यक्ति प्रसन्न और सुखी रहता है।

कर्क राशि : रात को केले के पत्ते पर दूध-भात रख कर चंदमा और मिट्टी के हाथी को दिखाएं और मंदिर में पंडितजी को दान दें। इससे धन प्राप्ति के प्रबल योग बनते हैं।

सिंह राशि : मिट्टी का हाथी बनवाकर उस पर चांदी या सोने का गहना चढ़ाएं और 'ऊँ नमो नारायणाय' मंत्र का श्री विष्णु जी के सम्मुख जाप करें, विशेष धनलाभ होगा।

कन्या राशि : लाजावर्त नग को चांदी में जड़वाकर लक्ष्मी के मंत्रों से अभिमंत्रित कर मिट्टी के हाथी को चढ़ाने से जातक धनवान बनता है।

तुला राशि : चांदी या सोने के हाथी पर कमल का फूल चढ़ाएं। मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है व यश मिलता है।

वृश्चिक राशि : मिट्टी के हाथी के समक्ष घी व सरसो तेल के दो बड़े दीपक जलाएं। किसी भी लक्ष्मी मंत्र की 21 माला जाप करें तो अक्षय धन की प्राप्ति होती है।

धनु राशि : सुंदर पीले वस्त्र धारण कर मिट्टी के हाथी पर विविध अलंकार अर्पित करें। मां लक्ष्मी की कृपा चारों तरफ से बरसने लगेगी।

मकर राशि : किसी भी सजीव हाथी को सवा दर्जन केले खिलाएं और मिट्टी के हाथी को वस्त्रालंकार अर्पित करें। आश्चर्यजनक रूप से हर बाधा दूर होगी और धन की समृद्धि बढ़ेगी।

कुंभ राशि : चांदी का हाथी बनवाकर उसी की पूजा करें। साथ में मिट्टी का हाथी दीये जलाकर सजाएं और पूजन करें। चांदी के सिक्के चढ़ाएं। यश, सुख, समृद्धि, वैभव, ऐश्वर्य और सौभाग्य से जीवन चमक उठेगा।

मीन राशि : 11 हल्दी की गांठों को पीले कपड़े में रख कर लक्ष्मी मंत्र की 11 माला जाप कर तिजोरी में रख दें। रोजाना वहां दीया जलाए तो व्यापार की प्रबल उन्नति होने लगती है।

पितरों के समान हैं ये 3 वृक्ष, 3 पक्षी, 3 पशु और 3 जलचर

धर्मशास्त्रों अनुसार पितरों का पितृलोक चंद्रमा के उर्ध्वभाग में माना गया है। दूसरी ओर अग्निहोत्र कर्म से आकाश मंडल के समस्त पक्षी भी तृप्त होते हैं। पक्षियों के लोक को भी पितृलोक कहा जाता है। तीसरी ओर कुछ पितर हमारे वरुणदेव का आश्रय लेते हैं और वरुणदेव जल के देवता हैं। अत: पितरों की स्थिति जल में भी बताई गई है।

तीन वृक्ष

- **पीपल का वृक्ष** : पीपल का वृक्ष बहुत पवित्र है। एक ओर इसमें जहां विष्णु का निवास है वहीं यह वृक्ष रूप में पितृदेव है। पितृ पक्ष में इसकी उपासना करना या इसे लगाना विशेष शुभ होता है।
- **बरगद का वृक्ष** : बरगद के वृक्ष में साक्षात शिव निवास करते हैं। अगर ऐसा लगता है कि पितरों की मुक्ति नहीं हुई है तो बरगद के नीचे बैठकर शिव जी की पूजा करनी चाहिए।
- **बेल का वृक्ष** : यदि पितृ पक्ष में शिवजी को अत्यंत प्रिय बेल का वृक्ष लगाया जाय तो अतृप्त आत्मा को शान्ति मिलती है। अमावस्या के दिन शिव जी को बेल पत्र और गंगाजल अर्पित करने से सभी पितरों को मुक्ति मिलती है।इसके अलावा अशोक, तुलसी, शमी और केल के वृक्ष की भी पूजा करना चाहिए।

तीन पक्षी

- **कौआ** : कौए को अतिथि-आगमन का सूचक और पितरों का आश्रम स्थल माना जाता है। श्राद्ध पक्ष में कौओं का बहुत महत्व माना गया है। इस पक्ष में कौओं को भोजन कराना अर्थात अपने पितरों को भोजन कराना माना गया है। शास्त्रों के अनुसार कोई भी क्षमतावान आत्मा कौए के शरीर में स्थित होकर विचरण कर सकती है।
- **हंस** : पक्षियों में हंस एक ऐसा पक्षी है जहां देव आत्माएं आश्रय लेती हैं। यह उन आत्माओं का ठिकाना हैं जिन्होंने अपने जीवन में पुण्यकर्म किए हैं और जिन्होंने यम-नियम का पालन किया है। कुछ काल तक हंस योनि में रहकर आत्मा अच्छे समय का इंतजार कर पुन: मनुष्य योनि में लौट आती है या फिर वह देवलोक चली जाती है। हो सकता है कि आपके पितरों ने भी पुण्य कर्म किए हों।
- **गरुड़** : भगवान गरुड़ विष्णु के वाहन हैं। भगवान गरुड़ के नाम पर ही गुरुढ़ पुराण है जिसमें श्राद्ध कर्म, स्वर्ग नरक, पितृलोक आदि का उल्लेख मिलता है। पक्षियों में गरुढ़ को बहुत ही पवित्र माना गया है। भगवान राम को मेघनाथ के नागपाश से मुक्ति दिलाने वाले गरूड़ का आश्रय लेते हैं पितर।इसके अलावा क्रोंच या सारस का नाम भी लिया जाता है।

तीन पशु

- **कुत्ता** : कुत्ते को यम का दूत माना जाता है। कहते हैं कि इसे ईधर माध्यम की वस्तुएं भी नजर आती है। दरअसल कुत्ता एक ऐसा प्राणी है, जो भविष्य में होने वाली घटनाओं और ईथर माध्यम (सूक्ष्म जगत) की आत्माओं को देखने की क्षमता रखता है। कुत्ते को हिन्दू देवता भैरव महाराज का सेवक माना जाता है। कुत्ते को भोजन देने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ते को रोटी देते रहने से पितरों की कृपा बनी रहती है।
- **गाय** : जिस तरह गया में सभी देवी और देवताओं का निवास है उसी तरह गाय में सभी देवी और देवताओं का निवास बताया गया है। दरअसल मान्यता के अनुसार 84 लाख योनियों का सफर करके आत्मा अंतिम योनि के रूप में गाय बनती है। गाय लाखों योनियों का वह पड़ाव है, जहां आत्मा विश्राम करके आगे की यात्रा शुरू करती है।
- **हाथी** : हाथी को हिन्दू धर्म में भगवान गणेश का साक्षात रूप माना गया है। यह इंद्र का वाहन भी है। हाथी को पूर्वजों का प्रतीक भी माना गया है। जिस दिन किसी हाथी की मृत्यु हो जाती है उस दिन उसका कोई साथी भोजन नहीं करता है। हाथियों को अपने पूर्वजों की स्मृतियां रहती हैं। अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन गजपूजा विधि व्रत रखा जाता है। सुख-समृद्धि की इच्छा रखने वाले उस दिन हाथी की पूजा करते हैं।इसके अलावा वराह, बैल और चींटियों का यहां उल्लेख किया जा सकता है। जो चींटी को आटा देते हैं और छोटी-छोटी चिड़ियों को चावल देते हैं, वे वैकुंठ जाते हैं।

तीन जलचर जंतु

- **मछली** : भगवान विष्णु ने एक बार मत्स्य का अवतार लेकर मनुष्य जाती के अस्त्वि को जल प्रलय से बचाया था। जब श्राद्ध पक्ष में चावल के लड्डू बनाए जाते हैं तो उन्हें जल में विसर्जित कर दिया जाता है।
- **कछुआ** : भगवान विष्णु ने कच्छप का अवतार लेकर ही देव और असुरों के लिए मदरांचल पर्वत को अपनी पीठ पर स्थापित किया था। हिन्दू धर्म में कछुआ बहुत ही पवित्र उभयचर जंतु है जो जल की सभी गतिविधियों को जानता है।
- **नाग** : भारतीय संस्कृति में नाग की पूजा इसलिए की जाती है, क्योंकि यह एक रहस्यमय जंतु है। यह भी पितरों का प्रतीक माना गया है।इसके अलावा मगरमच्छ भी माना जाता है।

पितृ पक्ष की सर्वपितृ अमावस्या पर करें श्राद्ध

आश्विन माह की कृष्ण अमावस्या को सर्वपितृ मोक्ष श्राद्ध अमावस्या कहते हैं। यह दिन पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है। अगर आप पितृपक्ष में श्राद्ध कर चुके हैं तो भी सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करना जरूरी होता। आओ जानते हैं इस संबंध में 10 खास बातें।

- सर्वपितृ अमावस्या पितरों को विदा करने की अंतिम तिथि होती है। 15 दिन तक पितृ घर में विराजते हैं और हम उनकी सेवा करते हैं फिर उनकी विदाई का समय आता है। इसीलिए इसे 'पितृविसर्जनी अमावस्या', 'महालय समापन' या 'महालय विसर्जन' भी कहते हैं।
- कहते हैं कि जो नहीं आ पाते हैं या जिन्हें हम नहीं जानते हैं उन भूले-बिसरे पितरों का भी इसी दिन श्राद्ध करते हैं। अत: इस दिन श्राद्ध जरूर करना चाहिए।
- कहते हैं कि जो व्यक्ति अपने पितरों का उनकी तिथि के अनुसार या उनकी मृत स्थिति के अनुसार श्राद्ध नहीं करता है तो माना जाता है कि पितर उसके लिए सर्वपितृ अमावस्य पर पुन: नदी तट या उसके द्वार पर आते हैं और वे देखते हैं कि सभी के पितरों के वंशज आएं हैं परंतु हमारे नहीं तब वह निशार और रुष्ठ होकर चले जाते हैं जिसके चलते व्यक्ति के जीवन में बुरा होने लगता है।
- अगर कोई श्राद्ध तिथि में किसी कारण से श्राद्ध न कर पाया हो या फिर श्राद्ध की तिथि मालूम न हो तो सर्वपितृ श्राद्ध अमावस्या पर श्राद्ध किया जा सकता है। मान्यता है कि इस दिन सभी पितर आपके द्वार पर उपस्थित हो जाते हैं।
- इस श्राद्ध में गोबलि, श्वानबलि, काकबलि और देवादिबलि कर्म करें। अर्थात इन सभी के लिए विशेष मंत्र बोलते हुए भोजन सामग्री निकालकर उन्हें ग्रहण कराई जाती है। अंत में चींटियों के लिए भोजन सामग्री पत्ते पर निकालने के बाद ही भोजन के लिए थाली अथवा पत्ते पर ब्राह्मण हेतु भोजन परोसा जाता है। इस दिन सभी को अच्छे से पेटभर भोजन खिलाकर दक्षिणा दी जाती है।
- सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों की शांति के लिए और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गीता के सातवें अध्याय का पाठ करने का विधान भी है।
- सर्वपितृ अमावस्या पर पीपल की सेवा और पूजा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। स्टील के लोटे में, दूध, पानी, काले तिल, शहद और जौ मिला लें और पीपल की जड़ में अर्पित कर दें।
- शास्त्र कहते हैं कि ''पुन्नामनरकात त्रायते इति पुत्र:'' जो नरक से त्राण (रक्षा) करता है वही पुत्र है। इस दिन किया गया श्राद्ध पुत्र को पितृदोषों से मुक्ति दिलाता है। अत: पूर्वजों के निमित्त शास्त्रोक्त कर्म करें जिससे उन मृत प्राणियों को परलोक अथवा अन्य लोक में भी सुख प्राप्त हो सके।
- इस दिन शास्त्रों में मृत्यु के बाद और्ध्वदैहिक संस्कार, पिण्डदान, तर्पण, श्राद्ध, एकादशाह, सपिण्डीकरण, अशौचादि निर्णय, कर्म विपाक आदि के द्वारा पापों के विधान का प्रायश्चित कहा गया है।
- मान्यता है कि जो व्यक्ति पितृपक्ष में श्राद्ध नहीं करता है और सर्वपितृ अमावस्य को भी श्राद्ध नहीं करता है उसे वर्षभर के लिए अपने पितारों का श्राप झेलने पड़ता है। ऐसे में पितृदोष दो प्रकार से प्रभावित होता है। पहला यह कि जो पितर अधोगति में गए हैं वे ज्यादा अपेक्षा रखकर ज्यात सताते हैं और जो उर्ध्वगति में गए हैं वे श्राप नहीं देते हैं तो आशीर्वाद भी नहीं देते हैं। उनका आशीर्वाद नहीं देना ही नुकसान दायक सिद्ध होता है।

16 दिनों में न भूलें ये बातें

पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध महालय पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :-

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

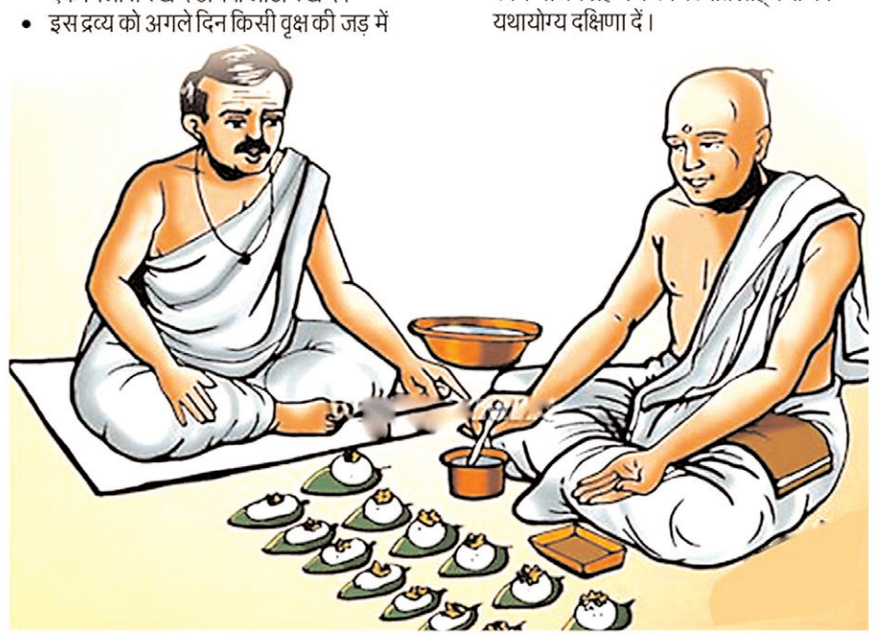

संक्षिप्त समाचार

8 किलो 916 ग्राम गांजा के साथ आरोपी माँ एवं बेटा को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद। जले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अवैध गांजा, शराब एवं नशीली दवाईयों पर रोक थाम के साथ कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिये गये थे। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा मुखबिर लगाकर थाना पेट्रोलिंग एवं स्पेशल टीम के साथ अवैध गतिविधियों में विशेष निगाह रखी जा रही है। इसी क्रम में थाना फिंगेश्वर में 9 सितम्बर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुआ कि एक बजाज पल्सर मोटर सायकल में एक व्यक्ति मोटर सायकल के पीछे महिला को बैठाकर अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा लेकर महासमुंद से मुख्य मार्ग होते हुए फिंगेश्वर की ओर आ रहा है।इस सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा टीम तैयार कर थाना के मुख्य मार्ग पर एमसीपी लगाई गई। उसी दौरान मुखबिर के बताये अनुसार बजाज पल्सर में एक व्यक्ति व महिला मुख्य मार्ग की ओर आते हुए दिखे। एमसीपी में लगे पुलिस जवान द्वारा रोके जाने का प्रयास किया गया।संदेही वाहन रोकने का नाटक कर वाहन तेज रफ्तार से वहां से भाग निकला। पुलिस टीम द्वारा उनका पीछा कर ग्राम बासीन हनुमान मंदिर के पास संदेही के वाहन को रोका गया। वाहन से उतरते ही आरोपी द्वारा अपने पास रखे लोहे के धारदार चाकू को निकालकर लहराते हुऐ डराने का प्रयास किया गया। पुलिस टीम द्वारा बहादूरी पूर्वक आरोपी को काबू में लेते हुए पकड़ा गया। अभिरक्षा में लेकर पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना व अपनी माँ का नाम-शेख इमरान पिता शेख आरिफ उम्र 23 वर्ष एवं अकीला बेगम पति शेख आरिफ उम्र 50 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 5 तालाब गली साहू दुकान के सामने राम नगर राजनांदगांव जिला राजनांदगांव होना बताया। आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से दो अलग-अलग सफेद रंग प्लास्टिक के बोरी में 4.080 कि.ग्रा. व 4.836 कि.ग्रा. कुल 8.916 कि.ग्रा.कीमती 89,000/-रूपये व घटना में प्रयुक्त एक काले रंग का मोटर सायकल बजाज पल्सर क्रमांक सीजी 08 एयू 1779 एवं धारदार लोहे का चाकू के साथ दो नग मोबाइल को समक्ष गवाहों के जप्त किया गया।गांजा के संबंध में आरोपीगण के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं होना पाये जाने से उनके खिलाफ धारा 20(ख) नारकोटिक एक्ट, 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध घटित करना पाये जाने से गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

धान उपाजन केन्द्र झाखरपारा से 32 लाख 95 हजार रूपये गबन के आरोपी समिति प्रबंधक चंदनसिंह राजपूत को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद। 9 सितम्बर को प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति झाखरपारा पंजीयन क्रमांक 1619, शाखा देवभोग से प्राधिकृत अधिकारी पदुलोचन जगत द्वारा थाना देवभोग को लिखित शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया गया।शिकायत के अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित झाखरपारा के धान उपार्जन केन्द्र झाखरपारा में प्रभारी समिति प्रबंधक दैनिक वेतनभोगी चंदनसिंह राजपूत द्वारा कुल 1063.20 क्विंटल धान जिसकी अनुमानित कीमत 32,95,920 रुपये है,का गबन कर शासन को आर्थिक क्षति पहुँचाई गई।समिति द्वारा जांच में पाया गया था कि ऑनलाइन रिपोर्ट अनुसार शेष 2708.56 क्विंटल धान दर्शित था।जिसका भौतिक सत्यापन उपार्जन केन्द्र झाखरपारा में किया गया जिसमें 1363.20 क्विंटल धान कम पाया गया। पूछताछ पर आरोपी चंदनसिंह राजपूत पिता बनोराम राजपूत उम्र 38 वर्ष निवासी तेतलखुटी देवभोग ने कमी स्वीकारते हुए आंशिक रूप से 300 क्विंटल धान की भरपाई की किंतु शेष 1063.20 क्विंटल धान (मूल्य लगभग 32,95,920 रुपये) की भरपाई अब तक नहीं की।उक्त संबंध में सहायक आयुक्त सहकारिता जिला गरियाबंद एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक नोडल कार्यालय गरियाबंद द्वारा आरोपी चंदनसिंह राजपूत के विरुद्ध आवेदन पेश करने हेतु प्रदुलोचन थाना देवभोग को भेजा गया। उक्त आवेदन प्रस्तुत करने पर आरोपी के विरूद्ध थाना देवभोग में अपराध क्रमांक 251/25 धारा 318(2),316(5) भारतीय न्याय सहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी चंदनसिंह राजपूत पिता बनोराम राजपूत उम्र 38 वर्ष निवासी तेतलखुटी थाना देवभोग जिला गरियाबंद (छ0ग0) के द्वारा 1063.20 क्विंटल धान (मूल्य लगभग 32,95,920 रुपये) का गबन करना स्वीकार करने पर समक्ष गवाहों के गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

मनमानी :- नियमों को ताक पर रखकर बिना पंचायत एनओसी फ्लाई ऐश बिक्स प्लांट का संचालन

किकिरदा में केशरवानी फ्लाई ऐश बिक्स प्लांट कि मनमानी

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जैजैपुर ब्लॉक के किकिरदा में केशरवानी फ्लाई ऐश बिक्स प्लांट का संचालन नियमों को ताक पर रखकर किया जा रहा है यहां शासन के गाइडलाइन का पालन नहीं किया जा रहा है,बिना पंचायत के अनुमति संचालन किया जा रहा है।

गौरतलब हो जैजैपुर ब्लॉक के किकिरदा में केशरवानी फ्लाई ऐश बिक्स का संचालन लंबे समय से नियमो को दरकिनार कर किया जा रहा है यहां बिना किसी विभागीय अनुमति के धड़ल्ले से प्लांट का संचालन किया जा रहा है,छत्तीसगढ़ प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों का अवहेलना करते हुए उघोग को संचालित किया जा रहा है,इसके अलावा श्रम और औघोगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग के निर्देशो और आदेशो को भी संचालक के द्वारा दरकिनार करते हुए अपने प्लांट का संचालन किया जा रहा है।

पंचायत के बिना एनओसी का प्लांट- वही फ्लाई ऐश बिक्स प्लांट का संचालन करने से पहले पंचायत का एनओसी लेना अनिवार्य होता है,लेकिन किकिरदा में संचालित केशरवानी फ्लाई ऐश बिक्स प्लांट संचालक द्वारा पंचायत से किसी भी प्रकार कि एनओसी नहीं ली गई है।

वही ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से मांग कि है कि फ्लाई ऐश प्लांट की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई कि जाए।

किकिरदा में फ्लाई ऐश बिक्स प्लांट संचालन के लिए किसी भी प्रकार कि पंचायत से एनओसी नहीं ली गई है

कीर्तन लाल चन्द्रा
सचिव ग्राम पंचायत किकिरदा

ग्रीन एनर्जी से बचत और आत्मनिर्भरता, सरगांव के बिसाहू बने मिसाल

पीएम सूर्य घर योजना से हर महीने 500 रुपये से अधिक की बचत, बिजली बिल शून्य

मुंगेली(समय दर्शन) ऊर्जा खपत को कम करने और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई पीएम सूर्य घर योजना आमजनों के जीवन में बदलाव ला रही है। जिले के सरगांव (वार्ड क्रमांक 10) निवासी बिसाहू राम साहू इसकी मिसाल बन गए हैं। लगभग दो माह पूर्व उनके घर में 3 किलोवाट का सोलर पैनल विभाग द्वारा स्थापित किया गया। पहले हर महीने 100 से 150 यूनिट बिजली खपत के कारण उन्हें 400 से 500 रुपये तक का बिल चुकाना पड़ता था। लेकिन अब सोलर पैनल लगने के बाद उन्हें हर माह 400 यूनिट का क्रेडिट मिल रहा है। नतीजा यह हुआ कि उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया और वे प्रतिमाह 500 रुपये से अधिक की बचत कर पा रहे हैं।साहू ने बताया कि पहले हर महीने बिल की चिंता रहती थी, लेकिन अब सोलर ऊर्जा से आत्मनिर्भरता का अहसास हो रहा है। यह योजना वास्तव में आमजन के जीवन में उजाला भर रही है। यह योजना न केवल साहू जैसे उपभोक्ताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन एनर्जी के प्रसार में भी अहम योगदान दे रही है।

आदि कर्मयोगी अभियान : आदि कर्मयोगी अभियान दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जनजातीय समाज को सशक्त, आत्मनिर्भर और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से जिले में दो दिवसीय ''आदि कर्मयोगी अभियान'' प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण अभियान के द्वितीय दिवस पर आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त महेन्द्र खाण्डेकर ने जानकारी दी कि लोरमी विकासखंड के अंतर्गत कुल 28 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों का चयन किया गया है। इन ग्रामों में ग्रामस्तर पर दस्तावेज तैयार कर समग्र ग्राम विकास की कार्ययोजना बनाई जाएगी। इसके लिए जनपद सभा कक्ष लोरमी में विशेष ब्लॉक प्रोसेस लैब का संचालन किया जा रहा है।

स्वास्थ्य, शिक्षा व योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित करना उद्देश्य

सहायक आयुक्त खाण्डेकर ने बताया कि जनजातीय समाज तक स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, स्वच्छता, आजीविका तथा अन्य शासकीय योजनाओं की समग्र पहुँच को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक होंगी बल्कि जनजातीय समाज में जागरूकता बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाएंगी।

सामुदायिक सहभागिता से बनेगा विजन डॉक्यूमेंट- आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागी ब्लॉक स्तरीय टीमें सामुदायिक सहभागिता को आधार बनाकर विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेंगी। यह विजन डॉक्यूमेंट संबंधित ग्रामों के सतत और समग्र विकास का रोडमैप होगा, जिससे आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्रों में ठोस सुधार किए जा सकेंगे।

मास्टर ट्रेनर्स ने दी दिशा

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव अंतर्गत संगोष्ठी आयोजित

छत्तीसगढ़ /2050 शिक्षा और युवाओं की भूमिका पर विचार विमर्श

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती महोत्सव अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग रायपुर एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार तथा जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय के मार्गदर्शन में डॉ. ज्वाला प्रसाद मिश्र शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, मुंगेली में छत्तीसगढ़ /2050 एवं विकसित छत्तीसगढ़ 2047 विषय पर जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय महाविद्यालय पाली (कोरबा) के सहायक प्राध्यापक हर्ष पांडे उपस्थित रहे। उन्होंने छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शोभित बाजपेई ने कहा कि राज्य को विकसित बनाने में उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर कॉलेज के छात्र छात्राओं ने छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा एवं विकसित छत्तीसगढ़ के भविष्य पर अपने विचार साझा किए। संगोष्ठी का संचालन उच्च शिक्षा विभाग के नोडल अधिकारी एवं एनएसएस जिला संगठक एन. के. पुरले ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी एस.के. भारती, सुश्री पूनम कोरी, सुश्री तृप्ति लकड़ा सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन वरिष्ठ प्राध्यापक एस.के. तिवारी ने किया।

सेजस घुघुवा(क) में विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति के तत्वाधान में शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया

पाटन। पाटन क्षेत्र के प्रख्यात विद्यालय सेजस घुघुवा(क) में विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति के समस्त सदस्यों के तत्वाधान में शिक्षक दिवस 2025 के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती कीर्ति नायक अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन, विशेष अतिथि श्री कमलेश वर्मा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री प्रणव शर्मा सभापति जनपद पंचायत पाटन द्वारा किया गया, कार्यक्रम में सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों एवं समस्त शिक्षकों का विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा फूल एवं बैंड बाजा के माध्यम से स्वागत किया गया, कार्यक्रम स्थल में पहुंच कर अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति पर पुष्प माल्यार्पण कर पूजन किया गया, तत्पश्चात एसएमडीसी के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया गया एवं छात्र-छात्राओं द्वारा तिलक लगाकर आरती करके शिक्षकों का सम्मान किया गया। इसके बाद उपस्थित समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का प्रतीक चिन्ह एवं श्रीफ्ल भेंट कर विशिष्ठ अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया, छात्र-छात्राओं के निवेदन पर समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा केक काटा गया, बच्चों ने शिक्षकों के सम्मान में भाषण दिया नित्य प्रस्तुत किया, शिक्षकों द्वारा भी खेल खेला गया, अंत में सम्मान समारोह आयोजक मंडल के समाजसेवी पालक समिति अध्यक्ष प्रशांत शर्मा द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय के लिए डोम सेड एवं 10 वीं के बाद वाले बच्चों के लिए वाणिज्य संकाय अंग्रेजी माध्यम में मांग किया गया जिस पर सकारात्मक पहल करने का विश्वास दिलाया गया। कार्यक्रम में उद्घोषक के रूप में शिक्षक श्री मोहित शर्मा जी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आयोजक समिति से श्री थानेश्वर साहू एसएमडीसी अध्यक्ष, प्रशांत शर्मा पालक समिति अध्यक्ष, ओगी राम साहू एसएमसी अध्यक्ष, सरपंच श्रीमती शैलेंद्री साहू, एसएमडीसी सदस्य उत्तरा सोनवानी, रवि साहू, चूड़ामणि साहू, श्री दुर्वासा साहू, पूनम शर्मा, गंगाराम साहू, ढाल सिंह साहू, लोकेश्वर साहू, महेश्वर दास मानिकपुरी, भूषण सेन सरपंच अमेरी, उपसरपंच सुखेंद नेताम, कमलेश ठाकुर सरपंच करगा गभरा, ताराचंद वर्मा सरपंच रवेली, सेजस प्राचार्य श्री के के पहरी सर, एचएम सुषमा परगनिया मैडम, एचएम कुर्रे सर, समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं, बच्चों, पालक और ग्राम वासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

शिकायतकर्ता को बिना सूचना दिये गुपचुप तरीके से कर दी जांच,सरपंच-सचिव को बचाने में जुटे अधिकारी

किकिरदा में 15वें वित्त के राशि का दुरुपयोग मामला

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। शिकायतकर्ता को बिना सूचना दिये ही जांच अधिकारी द्वारा गुपचुप तरीके से किकिरदा में 15वें वित्त के राशि का दुरुपयोग मामले कि जांच करना जांच अधिकारियों के पारदर्शिता में बड़ा सवाल खड़ा करता है,वही सरपंच-सचिव को अधिकारी बचाने में जूटे हैं।

गौरतलब हो कि जनपद पंचायत जैजैपुर के ग्राम पंचायत किकिरदा के सरपंच- गोमती मांझी,सचिव - कीर्तनलाल चन्द्रा द्वारा बिना काम किये 15वे वित्त कि राशि गबन कि शिकायत पंच द्वारा कलेक्टर,जिला पंचायत सीईओ,जनपद सीईओ से कि गई थी,जिसपर जनपद सीईओ द्वारा जांच टीम गठित कि गई थी। वही मिली जानकारी के अनुसार जांच अधिकारीयों द्वारा शिकायतकर्ता पंच को बिना सूचना दिये ही बुधवार को गुपचुप तरीके से पंचायत में आकर जांच के नाम पर लीपापोती कि गई।बिना भौतिक सत्यापन किये पंचायत भवन में ही बैठकर जांच अधिकारीयों द्वारा कागजों में ही काम होना दर्शाया गया। जिसपर अब शिकायतकर्ता द्वारा पुन: मामले कि जांच जिला स्तरीय टीम से अपने उपस्थिति में कराने कि मांग कि है।

शिकायतकर्ता ने ग्राम पंचायत में बिना स्टेमेट का कार्य कराने का आरोप लगाते हुए 17 जुलाई,21 जुलाई 2025 और 1 अगस्त 2025 को अलग-अलग किस्तों में ग्राम पंचायत के व्यवसायिक भवन,परिसर मरम्मत के नाम पर 1.24लाख,पंचायत भवन मरम्मत के नाम पर 1.60 लाख,जबकि पंचायत भवन,सरकारी भवन मरम्मत के नाम पर ही दिसम्बर में भी 1.84लाख रुपये राशि निकाला गया है,सवाल यह उठता है कि आखिर 1 वर्ष भी नहीं हुए पंचायत को मरम्मत कि आवश्यकता कैसे पड़ी कही न कही राशि का गबन किया गया, हैडपंप मरम्मत के नाम पर 1.10 लाख रुपये निकले हैं, लेकिन कोई काम हुआ ही नहीं है।साथ ही पुराने पड़े ट्राई साइकिल को नया खरीदी दर्शा1.10 लाख रुपये निकाला गया। साथ ही फ्रेटोकॉपी,नल-जल पाइपलाइन मरम्मत,कचरा कलेक्शन के नाम पर,वही पंचायत भवन में पुराने पड़े 2 डस्टबीन को नया खरीदी दर्शाकर 20 हजार रुपये निकलने सहित 15 वे वित्त कि कुल 8.91लाख रुपये निकालकर गबन कि शिकायत कि थी।

वही इसपर जनपद सीईओ द्वारा जांच टीम गठित कि गई थी लेकिन जांच अधिकारीयों द्वारा शिकायतकर्ता को बिना सूचना दिये जांच के नाम पर महज खानापूर्ति कि जा रही है।

सरपंच-सचिव को बचाने में जूटे जांच अधिकारी- वही 15वें वित्त के राशि का दुरुपयोग मामले में सरपंच - गोमती मांझी,सचिव - कीर्तन लाल चन्द्रा को बचाने में जांच अधिकारी जुटे हुए है,तभी गुपचुप तरीके से जांच के नाम पर महज खानापूर्ति का आरोप लग रहा है।

जानकारी मिली है कि मुझे बिना सूचना दिये ही जांच अधिकारीयों द्वारा बुधवार को गुपचुप तरीके से जांच के नाम पर खानापूर्ति कि गई है,मामले कि शिकायत कर पुन: जांच मेरे उपस्थिति कराने कि मांग करुंगा

शिकायतकर्ता - सतानंद जायसवाल पंच वार्ड क्र.06

मामले की जांच के लिए टीम गठित की गई है,जांच हुई है कि नहीं इसकी जानकारी अभी मुझे नहीं हैं क्योंकि अभी तक जांच रिपोर्ट अप्राप्त है।

वर्षा रानी चिकनजूरी
सीईओ जनपद पंचायत जैजैपुर

खबर-खास

चेकिंग में पुलिस ने पकड़ी बिना दस्तावेज की 200 किलो चांदी के जेवर

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले की सहसपुर लोहारा पुलिस ने चेकिंग के दौरान दस्तावेज के बिना करीब 2 किलो चांदी अवैध रूप से परिवहन करते हुए जब्त किया है। पुलिस ने चांदी परिवहन करते हुए वाहन सहित चालक को थाना बुलाकर पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एमसीपी (मोबाइल चेकिंग पाइंट) के दौरान रोकी गई एक वैगन आर कार से भारी मात्रा में चांदी के जेवर बरामद किया गया है। पूछताछ में चालक ने अपना नाम चंदन जैन, निवासी दुर्ग जो दुर्ग जेके ज्वैलर्स, गांधी चौक दुर्ग का संचालक होना बताया। गाड़ी दुर्ग से कवर्धा आना बताया, लेकिन मौके पर किसी भी प्रकार के दस्तावेज अथवा बिल प्रस्तुत नहीं कर पाने के कारण पुलिस ने चांदी जब्त कर लिया है। पुलिस का कहना है कि वाहन और बरामद चांदी को थाना परिसर लाकर विधिवत तौल एवं जांच की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में ज्वैलरी संचालक द्वारा चांदी का कुल वजन लगभग 190 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस ने मामले में वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

श्री रामलला दर्शन योजना के तहत गरियाबंद से 94 श्रद्धालुओं का दल रवाना

नगर पालिका अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ने दो श्रद्धालु बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा लोगों को अयोध्या धाम एवं काशी विश्वनाथ दर्शन कराने के लिए श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत दर्शनार्थियों को अयोध्या धाम में श्री रामलला का नि:शुल्क दर्शन कराया जा रहा है। साथ ही काशी विश्वनाथ का भी भ्रमण कराया जा रहा है। शासन द्वारा प्रत्येक जिलों से चयन कर सभी श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से उन्हें रामलला के दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है। इसी क्रम में आज नगर पालिका गरियाबंद के अध्यक्ष रिखीराम यादव,पूर्व विधायक गोवर्धन मांझी, उपाध्यक्ष आसिफ मेमन एवं जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर ने गरियाबंद जिले से भी दर्शनार्थियों से युक्त 2 बसों को हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से श्रीरामलला दर्शन अयोध्या धाम के लिए रवाना किया।जिले के कुल 94 दर्शनार्थी आज रवाना हुए। इस दौरान अतिथियों ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। 94 श्रद्धालुओं में उनके देख-देख के लिए 4 अनुरक्षक भी शामिल है। चयनित तीर्थ यात्रियों को बस से रायपुर के लिए रवाना किया गया। रायपुर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम की यात्रा के लिए ले जाया जाएगा।यात्रा पश्चात तीर्थयात्रियों की जिला वापसी होगी।इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी ठाकुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से संवरेगा नगर पंचायत इंदौरी

अधोसंरचना निर्माण हेतु मिली डेढ़ करोड़ की स्वीकृति।

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा की सक्रियता एवं क्षेत्र के विकास हेतु निरंतर प्रयासों से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा सड़क, हाईमास्क लाइट, रंगमंच निर्माण, नाली निर्माण जैसे विभिन्न अधोसंरचना निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए 1 करोड़ 57 लाख 72 हजार रुपए की स्वीकृति अधोसंरचना मद के अंतर्गत मिली है। इस सौगात के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त कर नगरवासियों को विकास कार्यों की सौगात के लिए बधाई दी है। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि जनता की सुविधा और क्षेत्र के विकास हेतु हमारा प्रयास निरंतर जारी है। जनता को मूलभूत सुविधाओं और शासकीय योजनाओं का लाभ मिले, उनका जीवन स्तर बेहतर हो, हमारे ग्रामीण क्षेत्र और नगर विकसित बनें एवं क्षेत्र की आर्थिक प्रगति हो इसी लक्ष्य और उद्देश्य के साथ प्रदेश की डबल इंजन भाजपा सरकार कार्य कर रही है। नगर पंचायत इंदौरी में प्रकाश व्यवस्था, सड़क, नाली, रंगमंच और सौन्दर्यीकरण जैसे विभिन्न विकास कार्यों के लिए 1 करोड़ 57 लाख 72 हजार रुपए की स्वीकृति मिली है इसके पूर्व भी करोड़ों के विकास कार्यों एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों की स्वीकृति भी नगर पंचायत इंदौरी को मिली है जिससे क्षेत्र में जनसुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित हुआ है। हाल ही में इंदौरी में मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु 2 करोड़

वहीं शिक्षा,स्वास्थ्य,सौन्दर्यीकरण, मूलभूत सुविधाओं एवं विभिन्न अधोसंरचना निर्माण और विकास कार्यों के लिए अबतक 10 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति नगर पंचायत इंदौरी के विकास को नई गति दे रहा है।

विधायक भावना ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हमारे पंडरिया विधानसभा में भी पांच वर्षों तक कांग्रेस के शासनकाल में जो विकास कार्य ठप्प पड़े थे वह अब तीव्र गति से हो रहें हैं। सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, जनता की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार भी उनकी आकाँक्षाओं के अनुरूप किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास से लेकर सौन्दर्यीकरण व प्रकाश व्यवस्था की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। वहीं हमारे शहरी क्षेत्रों में भी व्यावसायिक गतिविधियों को गति देने के लिए अधोसंरचना विकास व सौन्दर्यीकरण, चौक-चौराहों का निर्माण तथा सुगम आवागमन के लिए सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास, सौन्दर्यीकरण और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु प्रतिबद्धता और पारदर्शिता के साथ डबल इंजन भाजपा सरकार द्वारा विकास कार्यों की सौगात जनता को लगातार मिल रही है।

कुल 19 विकास कार्यों एवं अधोसंरचना निर्माण हेतु मिली स्वीकृति- नगर पंचायत इंदौरी में कुल 19 विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा अधोसंरचना मद अंतर्गत स्वीकृति मिली है। जिसके तहत गांधी चौरा पुराना बाजार चौक रंग मंच निर्माण, वार्ड क्रं. 12 में मेन रोड से अटल परिसर वार्ड तक स्ट्रीट लाईट, मेन रोड चौक के पास मोर इंदौरी चौक निर्माण, वार्ड क्रं. 10 में मेन रोड से नहर पारा एवं रत्न साहू के घर तक स्ट्रीट लाईट, वार्ड क्रं. 02 में लाला चन्द्रवंशी के मकान से नहर पारा तक झलमला रोड स्ट्रीट लाईट, वार्ड क्रं. 07 में पुराना बाजार चौक से नगर पंचायत से मानिकचौरी रोड तक स्ट्रीट लाईट, अटल परिसर से मुख्य चौक तक स्ट्रीट लाईट, मेन रोड से नहर पार होते हुए रत्न राहू के घर तक स्ट्रीट लाईट, वार्ड क्रं. 13 मंगीलाल के घर से कुंआ तक एवं छोटे रगरा के पास नाली निर्माण, संतोष डहरिया से भुनी गोंड एवं मेन बस स्टैण्ड से कोसमंदा पुल तक हाफराउण्ड नाली निर्माण, शासकीय बोर से कुमार टेलर के घर तक हाफ राउण्ड नाली निर्माण, छोटे रगरा से गुरु घासीदास मंदिर से शिवकुमार धृतलहरे के घर तक हाफ राउण्ड नाली निर्माण, वार्ड क्रं. 02 में नहर चौक के पास हाईमास्क लाईट, वार्ड क्रं. 12 में पुराना सोसायटी चौक के पास हाई मास्क लाईट, वार्ड क्रं. 11 में इंदिरा आवास के पास हाईमास्क लाईट, वार्ड क 09 जिनेन्द्र गुरूजी के घर के पास हाईमास्क लाईट, गुरुघासीदास मंदिर के पास हाईमास्क लाईट, अटल परिसर के पास हाईमास्क लाईट, छोटे रगरा में गुरूघासी दास मंदिर से शिवकुमार धृतलहरे के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य शामिल हैं।

सेवादल जिला कांग्रेस ने सत्याग्रह वोट चोर गद्दी छोड़ का प्रदर्शन किया

कवर्धा (समय दर्शन)। सेवादल जिला कांग्रेस ने कल सत्याग्रह- वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम का जोरदार प्रदर्शन किया। इस आयोजन में जिले भर के सेवादल कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर जोशीला प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर प्रदेश मुख्य संगठक अरुण ताम्रकार, संगठन निर्माण प्रभारी महामंत्री राजेश गुप्ता एवं प्रदेश सचिव वाल्मिकी वर्मा ने भाजपा सरकार की नाकामियों पर गंभीर सवाल उठाए।

कांग्रेस सेवादल जिला कवर्धा के जिला कम्युनिकेशन कोऑर्डिनेटर मनोज चंद्रवंशी ने बताया कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ कांग्रेस सेवादल के प्रदेश मुख्य संगठक अरुण ताम्रकार, प्रदेश महासचिव राजेश गुप्ता, प्रदेश सचिव बारले, वाल्मीकि, कांग्रेस सेवादल प्रदेश महिला महासचिव रामेश्वरी चौहान, जिला अध्यक्ष कवर्धा पदुम सेन, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा अगम अनंत, पूर्व मंडी उपाध्यक्ष चोवा राम साहू, छेनप जिला अध्यक्ष सितेश चंद्रवंशी, रासजीवन धुर्वे, संजय धुर्वे ने भी संबोधित किया और कांग्रेस कमेटी ब्लॉक अध्यक्ष मनीकांत त्रिपाठी सभा के संचालन किया। इस अवसर पर जिला काग्रेस प्रभारी महामंत्री गोपाल चंद्रवंशी, अशोक सिहं ठाकुर, कलीम खान, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी संतोष यादव भागीराम साहू, रामानुज, दुजेराम जायसवाल श्रीवास, नरेंद्र धुर्वे, युनेश कौशिक, ब्रिजेश कौशिक, मनोज कुमार चंद्रवंशी, हेमंत ठाकुर, सुरेश वर्मा, आनंद यादव, दिलीप गहने, अरविंद नारंग, जीतेन साहू, पवन साहू, रजनी गंधर्व, कुसुम मसीहा, कौशल्या गंधर्व, किरण यादव, ईशा अहिवार, राधा निषाद, लता बिशेकर, धनेश पाली, उमा यादव, प्रमिला मोहन सोनवानी, दिनेश साहू, डोगेन्द्र सेन, विनोद चंद्रवंशी, डां खिराम साहू, अश्विन कौशिक, मोहम्मद अजहर खान, शरद बंगाली, सुखदेव चंद्रवंशी, भुपेन्द्र सिंह राजपूत, राजेन्द्र डिंडोरे, नरेंद्र कुमार साहू, लखना दास, नन्द राम पटेल, मोहन यादव, राजू मिरज, आनंद चंद्रवंशी, गिरधर लहरे, हीरामणि कांग्रेस सेवादल एवं कांग्रेस पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जनता को न्याय मिलने तक सत्याग्रह जारी रहेगा- संगठन प्रमुखों ने कहा कि आज लोकतंत्र और संविधान पर लगातार हमले हो रहे हैं। चुनावी प्रक्रिया को ध्वस्त कर सत्ता हथियाने का प्रयास भाजपा द्वारा किया जा रहा है। वोट चोरी कर गद्दी पर बैठे लोग जनता की मूलभूत बिजली, पानी, सड़क, खाद, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कपड़ा-मकान जैसी बुनियादी सुविधाएं और आवश्यकताओं से खिलवाड़ कर रहे हैं। सेवादल ने साफ कहा है कि जब तक जनता को न्याय नहीं मिलता, तब तक कांग्रेस का सत्याग्रह जारी रहेगा और भाजपा सरकार की नाकामियों को उजागर किया जाता रहेगा। कांग्रेस सेवादल जिला कवर्धा पदुम सेन अपने जाबाज सेवादल के जिला पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ गरिमामयी उपस्थिति दी।

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने ली अधिकारियों की समीक्षा बैठक

छात्रावास,पीडीएस दुकान एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर खाद्यान्न उपलब्धता का लिया जायजा

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। साथ ही राजिम एवं जेंजरा में पीडीएस दुकान एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर खाद्यान्न उपलब्धता का जायजा लिया।इसके अलावा गरियाबंद में आदिवासी बालक क्रीड़ा परिसर का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने बालकों से चर्चा कर छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं पर संतुष्टि जताई।अध्यक्ष श्री शर्मा ने प्राथमिक शाला पाण्डुका में प्रार्थना में शामिल होकर बच्चों के साथ बैठ कर मध्यान्ह भोजन भी ग्रहण किया।साथ ही बच्चों को दिए जा रहे भोजन की व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता जताई।

खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री शर्मा ने बैठक में छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण के भाग 2 में उल्लेखित पात्रताओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। साथ ही राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम तथा छत्तीसगढ़, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम के तहत पूरक पोषण आहार योजना,मध्यान्ह भोजन योजना, तथा आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित आश्रम-छात्रावास को प्रदाय बी.पी.एल. दर पर खाद्यान्न की पात्रताओं के क्रियान्वयन एवं निगरानी तंत्र तथा शिकायत निवारण व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी पात्र हितग्राहियो को खाद्यान्न आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में आयोग के सदस्य कुलदीप शर्मा एवं राजेन्द्र महिलाने,जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर,सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग नवीन भगत सहित अन्य जिला अधिकारीगण मौजूद रहे। बैठक में अध्यक्ष श्री शर्मा ने निगरानी समिति के गठन की स्थिति, सभी राशन दुकान में खाद्यान्न के सैम्पल प्रदर्शन की स्थिति,सभी राशन दुकान में खाद्य आयोग एवं काल सेन्टर नम्बर के प्रदर्शन की स्थिति सहित फेर्टीफाईड चावल वितरण की भी समीक्षा की।उन्होंने वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने उचित मूल्य दुकान के नियमित निरीक्षण की स्थिति एवं जिला के समस्त विकासखंडवार राशन दुकानों, राशन कार्ड एवं उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की।वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह जुलाई 2025 तक दर्ज शिकायतों के निराकरण की स्थिति की भी जानकारी ली।

Name Change

I Jagjeet Kaur W/O Harcharan Singh age 65 Year resident of Plot No 05, Street 01 Ashish Nagar (W) Risali, Bhilai Nagar Durg (CG) 490006 solemnly affirms and states that the following:-

1. That name and address of the deponent as mentioned above.
2. That the deponent recorded her name after marriage as Jagjeet Kaur W/O Harcharan Singh in place of previous name Jagjeet Kaur D/O Hardayal Singh Gill.
3. That deponent name has been recorded as Jagjeet Kaur Sanghera W/O Harcharan Singh Sanghera, Father-Hardayal Singh Gill, Mother-Gurbachan Kaur Gill in the Republic of India Passport.
4. That the deponent recorded her name Jagjeet Kaur W/O Harcharan Singh in her Service Book, Aadhar Card and Voter ID.
5. That the name Jagjeet Kaur Sanghera and Jagjeet Kaur are of same person and in future the deponent will be known & identifies as Jagjeet Kaur W/O Harcharan Singh for all the purpose.
6. That the deponent producing this affidavit before the concern authority in supporting of the above context.

Deponent

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)

//ईश्तहार//

रा.प्र.के.
अ/6 वर्ष 2024-25
ग्राम-गोढी प.ह.नं 35

एतद व्दारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है आवेदक कृष्ण कुमार वर्मा पिता धनवार राम वर्मा निवासी ग्राम ब्लॉक कालोनी बकावंड, तहसील जगदलपुर के व्दारा ग्राम गोढ़ी प.ह.न. 35 रा.नि.म. खम्हरिया तहसील बलौदाबाजार में स्थित भूमि खसरा नंबर 104 रकबा 1.6800 हे. कुल लगान 5.40 पैसे भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। भूमि अनावेदक सुरज प्रसाद सेन पिता कलीराम सेन से पंजीकृत विक्रय विलेख व्दारा दिनांक 16.04.2025 को कय किये जाने से आवेदक कृष्ण कुमार वर्मा पिता थनवार राम वर्मा के नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन मय पजीकृत बैनामा-पत्र विलेख की छाया प्रति पेश किया है। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय विचाराधीन है तथा दिनांक ...को सुनवाई हेतु नियत है।

उपरोक्त भूमि के सबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो सुनवाई हेतु नियत दिनांक 23/09/25 को स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, निश्चित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अत: उपरोक्त ईश्तहार आज दिनांक 09/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुहर से जारी किया गया है।

अति. तहसीलदार
भाटापार

मुहर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन, तहसील पाटन जिला- दुर्ग (छ.ग.)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. आर.डी.202425430302500029
वर्ष 2024-2025
पक्षकार-रामाधार वि. नंदकुमार वगैरह,
ग्राम- खम्हरिया

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खम्हरिया प.ह.न. 07 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक रामाधार विश्वकर्मा आ.स्व. बुटुराम जाति लोहार निवासी ग्राम कचांदुर (करंजा भिलाई) द्वारा ग्राम खम्हरिया प.ह.न. 07 तहसील पाटन, जिला दुर्ग स्थित खाताधारक बुटुराम पिता जैतुराम के नाम दर्ज भूमि खसरा नंबर 958 रकबा 1.2100 हे0 को बुटुराम/जैतुराम का दिनांक 01.01.1991 को मृत्यु होने से नाम विलोपित कर उनके वारिसान रामाधार/बुटुराम अन्य 04 के नाम फौती नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत आधार पर प्रकरण विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 29/09/2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी भी प्रकार का कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे तस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/09/2025 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

मुहर

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता खोरबाहरीन पति श्री राम अवतार, उम्र 47 वर्ष, निवासी मकान नं 55, सेमरिया, बागडुमर, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) की रहने वाली हूं, मेरे नाम से शैक्षणिक अंकसूची जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम खोरबाहरीन दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है। मेरे नाम से आधार कार्ड जारी हुआ है जिसका कमांक 5767 2805 2529 है जिसमें मेरा नाम गीता बाई दर्ज है जो कि गलत है। मेरा सही एवं वास्तविक नाम खोरबाहरीन है जो कि सत्य एवं सही है। आगे मेरे सभी शासकीय / अर्ध्दशासकीय / वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर मेरा सही एवं वास्तविक नाम खोरबाहरीन दर्ज किया जावें।

शासकीय गजट प्रकाशन पर मेरा सही एवं वास्तविक नाम खोरबाहरीन दर्ज करवाना चाहती हूं।जिसके समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

न्यायालय नजूल अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.ई.पंजी./202509082200009
/अ-6/ 2024-25

आवेदक जितेन्द्र निषाद पिता स्व. रामू निषाद साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा नजूल नगर कवर्धा स्थित शीट क्रं.- 17 भू-खण्ड क्रं. 479 क्षेत्रफ्ल 40.00 व.मी. जो नजूल संधारण खसरा में रामकुमार, जानकी पिता चैतु, केजाबाई बे. चैतु निषाद साकिन कवर्धा के नाम पर नजूल अभिलेख में भूमि स्वामी के रूप में दर्ज है। मूल धारकों द्वारा संपूर्ण भू-खण्ड का आवेदक की दादी केजाबाई के पक्ष में पंजीकृत हकत्यागनामा दिनांक 07.03.2025 निष्पादित किये जाने से सहधारकों का नाम विलोपित कर अपनी दादी केजा बाई का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को उजर अथवा आपत्ति हो वे इस न्यायालय में दिनांक 9/10/25 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर मान्य नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 9/9/2025 को इस न्यायालय के पद मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

जारी दिनांक - 9/10/2025
पेशी दिनांक -9/9/2025

नजूल अधिकारी
कबीरधाम

मुहर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)

//ईश्तहार//

रा.प्र.के.
अ/6 वर्ष 2024-25
ग्राम-हसदा प.ह.नं 18

एतद् व्दारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है आवेदक राजेश पिता समलू जाति सतनामी निवासी ग्राम सकरीपार तहसील बलौदाबाजार भाटापारा व्दारा ग्राम हसदा पह.नं. 18 रा.नि.म खम्हरिया तहसील बलौदाबाजार में स्थित भूमि खसरा नंबर 140/1 रकबा 0.735 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। भूमि अनावेदिका गण सरस्वती पिता धनराज रावत वगैरह से पंजीकृत विकय विलेख व्दारा दिनांक 08.06.2012 को 3,40,000/ रू में कय किये जाने से आवेदक राजेश पिता समलू, जाति सतनामी के नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन मय पजीकृत बैनामा-पत्र विलेख की छाया प्रत्ति पेश किया है। तत्संबंध में प्रकरणइस न्यायालय विचाराधीन है तथा दिनांक. को सुनवाई हेतु नियत है।

उपरोक्त भूमि के सबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो सुनवाई हेतु नियत दिनांक 23/09/25 को स्वयं या अपने वैद्य अभिभाषक के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं. निश्चित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अत: उपरोक्त इंश्तहार आज दिनांक 09/09/25 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पद मुहर से जारी किया गया है।

अति. तहसीलदार
भाटापार

मुहर

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, स्पेशल टास्क फोर्स बघेरा, दुर्ग (छ0ग0) पिन नं.- 491001

निविदा विज्ञप्ति क्र- पुअ/एसटीएफ/बघेरा/दुर्ग/साअ/ आई-991 /25, दिनांक - 02/09/2025

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक- 01/ 2025-26

पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ बघेरा-दुर्ग के द्वारा निर्माण कार्य कराने जाने हेतु ई-पंजीयन के अंतगर्त श्रेणी"द" अथवा उससे उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर चुकता प्रमाण पत्र सहित) के साथ निविदा प्रपत्र के मूल्य राशि 750/- रू. का राष्ट्रीयकृत/अधिकृत बैंकों से पुलिस अधीक्षक एसटीएफ बघेरा-दुर्ग छ.ग. के नाम से डीमॉड ड्राप्ट प्रस्तुत कर प्राप्त किये जा सकते है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. में)	धरोहर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में)
01	एसटीएफ मुख्यालय बघेरा-दुर्ग में आर.सी.सी. ड्रेनेज निर्माण कार्य	16,00,000/-	16,000/-	750/-

1 निविदा फार्म विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय - 04.10.2025 समय 17.00 बजे तक।
2 निविदा फार्म जमा करने का अंतिम तिथि एवं समय - 06.10.2025 समय 15.00 बजे तक।
3 टेक्निकल बिड खोलने का तिथि एवं समय - 06.10.2025 समय 16.00 बजे तक।
4 फायनेंसियल बिड खोलने का समय पृथक से अवगत कराया जावेगा।

नोट :- निविदा की नियम व शर्ते टेण्डर फार्म के साथ कार्यालयीन समय में सामग्री अध्यक्ष कार्यालय एसटीएफ बघेरा-दुर्ग से प्राप्त किये जा सकते है।

G-252603357/3

पुलिस अधीक्षक
एसटीएफ बघेरा,दुर्ग (छ0ग0)

संक्षिप्त-खबर

श्रीमती निर्मला सोनी बनीं स्वर्णकार समाज की छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष

रायपुर (समय दर्शन)। श्रीमती निर्मला सोनी, निवासी दीनदयाल उपाध्याय नगर, रायपुर को स्वर्णकार समाज की छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। वे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय रहकर समाज और राष्ट्र निर्माण की भावना से कार्य कर रही हैं। उनके सामाजिक योगदान और संगठन में सक्रियता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के राष्ट्रीय सचिव संजीव कुमार सोनी की अनुसंसा एवं राष्ट्रीय महासचिव (युवा प्रकोष्ठ) निखिल सोनी की सहमति से, राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा की अनुमति से उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। यह नियुक्ति आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेगी। उनकी इस नियुक्ति से स्वर्णकार समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई। उन्हें बधाई देने के लिए समाज के गणमान्य नागरिक, महिलाएं, पुरुष एवं युवा वर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से — शशि सोनी, अरुणा सोनी, सीमा सोनी, छाया स्वर्णकार, सीता सोनी, भूमिका सोनी सहित अनेक समाजसेवी एवं पदाधिकारी सम्मिलित रहे।

भाजपा सेवा पखवाड़ा अभियान के मण्डल संयोजक चुने गये विक्की सलूजा

पिथौरा(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश आह्वान पर पूरे प्रदेश मे चलाए जाने वाले भाजपा के महात्वाकाँक्षी अभियान सेवा पखवाड़ा अभियान की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ,पिथौरा से सक्रिय युवा नेता विक्की सलूजा को मिली है। आपको बता दें कि, बूथ से लेकर प्रदेश तक के अनेक कार्यक्रमों मे अपनी महती भूमिका निभाने वाले भाजपा के कर्मठ ,ऊर्जावान कार्यकर्ता विक्की सलूजा पार्टी के प्रति समर्पित भाव से पूरी निष्ठा व संवेदनशीलता के साथ दायित्व निभाने वाले कार्यकर्ता हैं । इस अभियान में कई प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम होने है जिसको लेकर भारतीय जनता पार्टी पिथौरा के मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा की अनुशंसा पर भाजपा के युवा नेता विक्की सलूजा को सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का पिथौरा मंडल का संयोजक नियुक्त किया गया है। ज्ञात हो कि भाजपा नेता विक्की सलूजा पिछले कई वर्षों से लगातार संगठन के कार्यक्रमों में लगातार सक्रिय रहते है पार्टी के हर छोटे बड़े कार्यक्रमों में इनकी भागीदारी रहती है एवं हर मिलने वाली जवाबदारी को बखूबी निभाते है। सेवा पखवाड़ा के मंडल संयोजक की जवाबदारी मिलने के बाद विक्की सलूजा ने कहा कि पार्टी संगठन के द्वारा मुझे मंडल के संयोजक की जो ज़िम्मेदारी सौंपी गई है, उनके उपर जो पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने जो विश्वास किया है उसको पूरा करने का प्रयास करूँगा । सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पन्द्रह विविध कार्यक्रम होने है ।पिथौरा मंडल के प्रत्येक बूथ,प्रत्येक शक्तिकेंद्र में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा बड़ी संख्या में आम जनमानस की सहभागिता भी हो, ऐसा प्रयास भी किया जाएगा। श्री सलूजा ने आगे कहा कि पार्टी संगठन हमेशा मुझे जो भी काम देती है मैं उसे ईमानदारी के साथ पूरा करता हूं,,इस महती ज़िम्मेदारी के लिए मैं हमारे सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। इस ज़िम्मेदारी के लिए सभी ने उनको सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है।

तुलिका कर्मा को मिली नई जिम्मेदारी, ओडिशा राज्य महिला कांग्रेस की पर्यवेक्षक नियुक्त

दंतेवाड़ा (समय दर्श न)। दन्तेवाड़ा की युवा नेत्री और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तुलिका कर्मा को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने ओडिशा राज्य महिला कांग्रेस की पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर बधाई दी।

लगभग एक दशक से राजनीति में सक्रिय तुलिका कर्मा ने जमीनी स्तर पर कठिन परिश्रम और जनसेवा के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में उन्होंने दन्तेवाड़ा में कई विकास कार्य किए। अपनी तेज-तर्रार कार्यशैली के लिए जानी जाने वाली तुलिका ने हमेशा जनसेवा को प्राथमिकता दी है। इस नई जिम्मेदारी पर तुलिका कर्मा ने खुशी जाहिर करते हुए राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लाम्बा और राष्ट्रीय व प्रदेश संगठन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह इस भूमिका में पूरी निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करने का प्रयास करेंगी।

पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज : शिक्षा विभाग एक बार फिर शर्मसार

- गिरफ्तारी के बाद प्राथमिक शाला सोनामुंदी के शिक्षक निलंबित

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला सोनामुंदी में पदस्थ सहायक शिक्षक (एल.बी.) ज्योतिष कुमार साहू को गंभीर आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, उनके विरुद्ध थाना बसना में भारतीय न्याय संहिता (क्क्ष्ह्स्) की धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। वर्तमान में वे 48 घंटे से अधिक समय से न्यायिक अभिरक्षा में जेल में निरुद्ध हैं।

गिरफ्तारी के बाद निलंबन आदेश विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, बसना कार्यालय ने जानकारी दी है कि, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम-9(2)(क) के तहत किसी भी शासकीय सेवक की गिरफ्तारी की स्थिति में निलंबन स्वत: प्रभावी हो जाता है।

इसी प्रावधान के अंतर्गत शिक्षक ज्योतिष कुमार साहू का निलंबन आदेश उनकी गिरफ्तारी की तिथि से लागू कर दिया गया है।

निलंबन अवधि की शर्तें- निलंबन की अवधि में श्री साहू का मुख्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बसना निर्धारित किया गया है। इस दौरान उन्हें सेवा नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता (स्ह्ड्ढ्ड्ड्ह्ह्दठ्ठ्ष् द्य्यश्2ड्ठुष्ठ्) प्राप्त होगा। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह एक अंतरिम व्यवस्था है और मामले की न्यायिक तथा विभागीय जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

शिक्षा विभाग की सख्ती शिक्षा विभाग ने इस कार्रवाई को कानून और नियमों के अनुसार आवश्यक कदम बताते हुए कहा है कि किसी भी शासकीय सेवक पर गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज होने पर नियमों का पालन करते हुए तुरंत निलंबन किया जाता है। विभाग ने यह भी कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनके हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए इस तरह के मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जा रही है।

महासमुंद वन मण्डल मे वन्य प्राणियों का शिकार बदस्तूर जारी

- बागबाहारा वन परिक्षेत्र मे भालू-हिरण का शव बरामद
- घटना के बाद विभाग ने 5 शिकारियों को किया गिरफ्तार एक फरार
- करंट के खूनी जाल मे घिरा जंगल

बागबाहरा (समय दर्शन)। महासमुंद जिला वन मण्डल के परिक्षेत्रों मे रह रहकर वन्य प्राणियों के शिकार का शिलशिला बदस्तूर जारी है । आपको बता दें कि ऐसी अनेक विसंगतियों के चलते बीते माह वन मण्डलाधिकारी पर गाज गिर चुकी है। अब फिर शिकारियों के खूनी आतंक से लाल हुआ जंगल। जिले के बागबाहरा वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम जोरातराई (कक्ष क्रमांक 179) से वन्यजीवों के अवैध शिकार का सनसनीखेज मामला उजागर हुआ है। वन विभाग की टीम ने दबिश देकर मौके से 5 शिकारियों को गिरफ्तार किया है।

कार्रवाई के दौरान विभाग ने मौके से एक ट्रैक्टर वाहन, जंगली सुवर और हिरण का मांस, भालू का शव तथा शिकार में उपयोग किए गए बिजली के तार जब्त किए हैं।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने भालू, हिरण और जंगली सुवर को करंट लगाकर मौत के घाट उतार दिया था।

वन विभाग ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, एक आरोपी अब भी फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है।

गौरतलब है कि एक ही सप्ताह के भीतर यह दूसरा बड़ा शिकार मामला महासमुंद जिले से सामने आया है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने वन विभाग की गश्त और निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय वन्यजीव प्रेमियों और ग्रामीणों का कहना है कि यदि वन विभाग सख्त कार्रवाई और नियमित गश्त नहीं बढ़ाएभयेगा, तो शिकारियों का आतंक बढ़ता जाएगा।

जिले के जंगलों से वन्यजीवों का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। जरूरी है शासन प्रशासन भी ऐसे संवेदनशील मामलों में पूरी सजगता के साथ सतर्कता बरते।

नेशनल हाईवे के किनारे अवैध कब्जा को बुलडोजर से ध्वस्त कर किया गया मुक्त

रायपुर (समय दर्शन)। राष्ट्रीय राज मार्ग 53 मुंबई से कोलकाता को जोड़ने वाली सड़क पर पारागांव,आरंग रायपुर के पास सड़क किनारे अतिक्रमण कर अवैध रूप से दुकान, मकान निर्माण कर अवैधानिक रूप से संचालित किया जा रहा था। नेशनल हाईवे की टीम ने राजस्व विभाग अधिकारी कर्मचारियों के सहयोग से बुलडोजर चलवाकर अवैध कब्जा को ध्वस्त कर मुक्त किया गया है।

बता दें कि नेशनल हाईवे पर प्रतिदिन लाखों गाड़ियों का आवागमन होता है। अवैध रूप से सड़क किनारे अतिक्रमण कर दुकान संचालित किये जाने से आने जाने वाले राहगीरों, दो पहिया,चार पहिया और मालवाहक वाहनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।आये दिन दुर्घटना होने की संभावना हमेशा बनी रहती है। इससे निजात पाने व आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अवैध कब्जा को अतिक्रमण कारियों से मुक्त कर हटाया गया है।

उक्त अवसर पर तहसीलदार, आरंग पुलिस प्रशासन,एन एच आई के अधिकारियों, प्रोजेक्ट मैनेजर मनोज तिवारी आपरेशन मैनेजर पवन प्रशांत सिंह,सी आर ओ महावीर, हाईवे इंजीनियर दीपक रंजन, कौशिक राय, उमाशंकर, मेनटेनेंस मैनेजर सिकंदर एवं पेट्रोलिंग टीम का अतिक्रमण हटाये जाने में विशेष योगदान रहा।

मोहगाँव स्कूल में प्राचार्य की कार धोते मिले छात्र

- पिथौरा ब्लाक के मोहगांव शासकीय हाईस्कूल का मामला

पिथौरा (समय दर्शन)। बसना क्षेत्रांर्गत से लगे पिथौरा व्लाक के मोहगांव शासकीय हाईस्कूल से जुड़े एक वोडियो ने फिर एक बार शिक्षा जगत में सवाल खड़ा कर दिया है।

शोसल मिडिया के माध्यम से आये वोडिगी में लगभग सात-आठ स्कूली छात्र स्कूल परिसर में प्राचार्य की निजी कार की घुलाई करते दिखाई दे रहे हैं। स्कूल का नाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है और यह घटना प्राचार्य कक्ष के सामने की है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम की नियमों को ताक मे रखकर, अनदेखी करते हुए छात्रों से यह अनुचित कार्य करवाना न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि गणों के अधिकार और उनके सम्मान पर गहरा प्रश्न चिन्ह लगाता है?

इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे ने कहा कि प्रस्तारित वीडियो को पूरी तरह से जांच कराई जाएगी।

सुरक्षित वातावरण शिक्षा का सबसे बड़ा आधार है यह स्कूल पहले भी सुर्खियों में आया था, जब संकुल समन्वयक ने छात्रों के साथ अनुचित व्यवहार करने का मामला प्रकाश में आया था। यह घटना केवल एक वीडियो नहीं है, बल्कि शिक्षा संस्थानों में बच्चों की गरिमा, उनको सुरक्षा और आत्मसम्मान की अनदेखी का प्रतीक बन चुकी है। छात्र, जो समाज का भविष्य है, उनका सम्मान, उनके अधिकार और सुरक्षित वातावरण शिक्षा का सबसे बड़ा आधार हैं। बच्चों को इस तरह की गतिविधियों में शामिल करना उनके मानसिक और भावनात्मक विकास के खिलाफ प्रश्नचिन्ह लगाता है।

चारपहिया वाहन मेरा निजी है। मैंने- छात्रों को कभी भी इस कार की धुलाई के लिए नहीं कहा और इस घटना की मुझे किसी भी रूप में कोई जानकारी नहीं थी।

जगदीश कुमार प्राचार्य
मोहगांव

छात्रों से कार भुलवाना पूरी तरह गलत है। मोहगांव संकुल समन्वयक और संकुल प्रभारी ने अब तक इस मामले की कोई जानकारी नहीं दी है।

नरेश पटेल विकासखंड
स्त्रोत समन्वयक

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम और परीक्षा नहीं, बल्कि मों के सर्वांगीण विकास, उनकी सुरक्षा और नैतिक संवेदनशीलता का निर्माण होना चाहिए। मोहगांव हाईस्कूल को यह घटना शिक्षा जगत को यह याद दिलाती है कि अगर वनों को गरिमा और अधिकारों को रक्षा नहीं की गई, तो शिक्षा का मूल लक्ष्य अधूरा रह जाएगा। साथ ही यह घटना समाज और प्रशासन के लिए एक गंभीर चेतवनी भी है कि स्कूल सिर्फ कहा और पाठ्?यक्रम तक सीमित नहीं रह सकते। बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और उनके सशक्त विकास की जिम्मेदारी हर शिक्षक, प्राचार्य और प्रशासनिक अधिकारी की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग और प्री यूनिक एशिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच आज एक अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए

पाटन: महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग और प्री यूनिक एशिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच आज एक अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए इस समझौते का मकसद है ऑयल पाम की उन्नत तकनीक को बढ़ावा देना, अनुसंधान करना, पौध तैयार करना और किसानों को आधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना।

विश्वविद्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुए इस कार्यक्रम में दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने दस्तखत किए।

समझौते पर प्री यूनिक एशिया की ओर से महाप्रबंधक संजीव गाईन और विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान सेवाओं के निदेशक डॉ. जितेंद्र सिंह ने हस्ताक्षर किए।

इस मौके पर कुलपति प्रो. आर. आर. सक्सेना, कुलसचिव आर. एल. खरे, डॉ. राजेश्वरी साहू समेत कंपनी के प्रबंध निदेशक सी. अनिल कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सत्यनारायण और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सभी ने माना कि यह पहल प्रदेश की कृषि और बागवानी क्षेत्र को नई दिशा देगी और किसानों के लिए वरदान साबित होगी।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति रायपुर की बैठक संपन्न

- बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की संकल्पना सहित अन्य प्रमुख विषयों पर हुई चर्चा

रायपुर (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के अध्यक्षता में 10 सितंबर को जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक रेडक्रास भवन, कलेक्ट्रोरेट परिसर, रायपुर में समपन्न हुआ।

बैठक में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के सदस्यगण, जिला प्रशासन से कुमार विश्वरंजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, यू.एस.बंदे अतिरिक्त जिलादण्डाधिकारी, किर्तीमान राठौर अपर कलेक्टर, मनीष मिश्रा अपर कलेक्टर, डॉ. मिथलेश चैधरी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सुश्री शैल ठाकुर जिला कार्यक्रम अधिकारी, यशपाल जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग तथा बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सुश्री श्वेता रानी राव, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य श्रीमती रजनी राजपूत, विपिन ठाकुर, राज्य समन्वयक, एसोसिएसन फॉर वॉलेन्टरी एक्शन, समस्त बाल देखरेख संस्थाओं के अधीक्षक एवं जिला बाल संरक्षण समिति (मिशन वात्सल्य) के समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

सर्व प्रथम जिला कार्यक्रम अधिकारी महोदया द्वारा बैठक में अध्यक्षता कर रहे कलेक्टर एवं समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को मिशन वात्सल्य योजनांतर्गत संचालित समस्त बाल देखरेख संस्थाओं के संबंध में अवगत कराया गया। तत्पश्चात जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की संकल्पना को मूर्तरूप प्रदान करने, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के अनुपालन करने, बाल श्रम उन्मूलन करने, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 ;च्व्ब्ैव् ।बजद्ध की समयबद्ध रिपोर्टिंग करने, बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के लंबित प्रकरणों के शीघ्रता से निपटान करने, देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बालकों को चिन्हांकन एवं पुनर्वास करने तथा विद्यालयों के शाला त्यागी बालकों का चिन्हांकन करने की कार्यवाही से अवगत कराया गया।

कलेक्टर द्वारा जिले में संचालित समस्त बाल देखरेख संस्थाओं को एक ही परिसर में संचालित करने का निर्देश दिया गया तथा बाल संरक्षण से जुड़े सभी विभाग समन्वय स्थापित कर विशेष जागरूकता अभियान चलाते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर गठित बाल संरक्षण समितियों को सक्रिय किये जाने का निर्देश प्राप्त हुआ।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी के द्वारा कलेक्टर का अभार व्यक्त करते हुए बैठक का समापन किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26